● वर्ष-2
● अंक-183
रायपुर, शुक्रवार
24 मार्च 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून

गुटनबर्ग ने जब छापा खाने का आविष्कार किया था, तब उसने भी यह कल्पना नहीं की रही होगी कि दुनिया में बड़ी-बड़ी क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में यह प्रिंटिंग मशीन कारगर साबित होगी। गांव-गांव तक लोगों को सूचना देने, देशभक्ति की भावना जागृत करने और अंग्रेजी राज की समस्याओं को पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से पहुंचाकर देश में जनता को आंदोलित कर दिया था। स्वतंत्रता के बाद जैसे-जैसे साक्षारता बढ़ी, शहरों का विकास हुआ, वैसे-वैसे समाचार पत्र-पत्रिकाओं की संख्या बढ़ने लगी। समय के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने कम्प्यूटर, इंटरनेट और मोबाईल का आविष्कार किया और सूचना पहुंचाने के माध्यम में भी बदलाव आने लगा। आज हम सूचना क्रांति के युग में जी रहे हैं। पलक झपकते सूचना दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच जाती है। इन्हीं सूचनाओं में कुछ सही और कुछ गलत होती हैं, जिनसे हिंसा, उपद्रव और वैमनस्यता को भी बढ़ावा मिलता है। पत्रकारिता अब मीडिया जगत कहलाने लगा है। मीडिया में किसी के खिलाफ खासकर सरकारी तंत्र के खिलाफ समाचार प्रकाशित या प्रसारित हो जाए तो इससे बवाल मच जाता है। सच के प्रकाशन को रोकने के लिए सरकारी और निजी तंत्र साम, दाम, दंड, भेद का इस्तेमाल करता है। इसका एक पक्ष यह भी है कि मीडिया जगत में झूठ फैलाने के नाम पर इसी साम, दाम, दंड, भेद के जरिए पैसे की उगाही भी करता है। इस समीकरण के दोनों पक्ष में प्रताड़ित होते हैं। जो सच्चाई से पत्रकारिता करता है या करना चाहता है और जो सच और ईमान के साथ काम करना चाहते हैं दोनों ही भयभीत हैं। समय की मांग को देखते हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा में मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक पारित किया गया है। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद जब इसके नियम राजपत्र में प्रकाशित हो जाएंगे तो सच्चाई से जनता के लिए सूचनाएं देने और संकलित करने के काम में लगे मीडिया कर्मी को सुरक्षा मिल सकेगी। इस कानून की सबसे बड़ी खामी यह है कि पत्रकार को परिभाषित करना बहुत कठिन है। मीडिया कर्मी का पंजीकरण तो होगा लेकिन उनमें जो शर्तें हैं, उनका पालन करना छोटे संस्थानों, ग्रामीण अंचलों व क्षेत्रीय स्तर पर काम करने वाले मीडिया कर्मियों का पंजीकरण मुश्किल होगा। यह कानून पारित होने से पहले भी पत्रकारों की सुरक्षा की व्यवस्था थी। वह भी अधिकारियों के हाथों में थी। इस कानून में भी कानून को पालन कराने वाले अधिकारी ही है। इसलिए कितना परिवर्तन होगा यह कहना मुश्किल है। यह देखने वाली बात होगी कि कानून सच्चाई और ईमानदारी को बढ़ावा देने में मदद करेगा या इस कानून का दुरुपयोग करने वालों की ताकत को और बढ़ाएगा।

रायपुर में निकली राष्ट्रविरोधी रैली, चार गिरफ्तार

खलिस्तानी समर्थक के साथ कांग्रेस नेताओं के संबंध के आरोप, मूणत ने जारी की तस्वीर

रायपुर। बुधवार को पंजाब में अमृतपाल सिंह पर कार्रवाई किए जाने के विरुद्ध खालिस्तान समर्थकों ने रैली निकालकर देश विरोधी नारेबाजी की थी। खाालिस्तान समर्थक इन सिखों ने तेलीबांधा गुरुद्वारा से रैली निकालकर पंचशील नगर स्थित आम आदमी पार्टी के कार्यालय पर प्रदर्शन किया था। वहीं विधानसभा में भाजपा ने यह मुद्दा उठाया तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सदन से सख्त संदेश दिया।

मुख्यमंत्री भूपेश ने कहा कि राज्य में देश विरोधी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस सख्त संदेश के बाद पुलिस हरकत में आई। गुरूवार को पुलिस ने चार खालिस्तान समर्थकों हरप्रीत सिंह, दिलेर सिंह, मनिन्दर सिंह, हरविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। चारों की धारा 147,153,505 के तहत हुई गिरफ्तारी की गई है। दरअसल, थाना सिविल लाइन क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा बिना अनुमति अमृतपाल सिंह के समर्थन में रैली निकाली गई थी। रायपुर पुलिस द्वारा उक्त तथ्य को संज्ञान में लेते हुए घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों एवं इस संबंध में रैली में सम्मिलित कुछ व्यक्तियों द्वारा

दिये गये वीडियो बाइट का अवलोकन करने पर तथ्य सही पाया गया।

दिलेर सिंह रंधावा, मनिंदरजीत सिंह उर्फ मिन्टू, हरविंदर सिंह सन्धू उर्फ हरिन्दर सिंह खालसा, हरप्रीत सिंह रंधावा उर्फ चिन्टू एवं अन्य द्वारा यह रैली निकाली गई थी। उक्त कृत्य से लोक शांतिभंग होने की संभावना के मद्देनजर् और वीडियो इत्यादि से प्राप्त जानकारी के आधार पर थाना सिविल लाइन में अपराध क्रमांक 180/23 धारा 147, 153(ए), 504, 505(1)(बी) भादवि. का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

इधर भाजपा ने रैली को लेकर कांग्रेस पार्टी और सरकार को घेरने में लग गई है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि रायपुर में राष्ट्रविरोधी सरेआम रैली निकाल रहे हैं। भूपेश बघेल बतायें कि एनएसए कहां लुप्त हो गया। क्या यह केवल राष्ट्रभक्तों के लिए है?

मूणत ने खलिस्तानी समर्थकों की रैली में शामिल हरप्रीत सिंह रंधावा उर्फ़ रिंकू रंधावा की कांग्रेस नेताओं के साथ तस्वीर जारी करते हुए आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छत्तीसगढ़ का माहौल बिगाड़ने की साजिश कर रही है। श्री मूणत ने कहा कि खलिस्तानी समर्थक हरप्रीत सिंह रंधावा उर्फ़ रिंकू रंधावा नाम का व्यक्ति न केवल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का ख़ास है, बल्कि उसकी पहुंच दिल्ली में बैठे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं तक है।

रैली का मुद्दा गूंजा विधानसभा में

रायपुर। राजधानी रायपुर में कल खालिस्तान समर्थकों ने रैली निकालकर पुतला फूका था और आज विधानसभा में विपक्षी सदस्यों ने इस पर काम रोको प्रस्ताव लाते हुए चर्चा कराने की मांग की जिसे विधानसभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम ने खारिज कर दिया। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि देश विरोधी गतिविधियों में जो संलग्न होगा हम उसका विरोध करेंगे। शून्यकाल के दौरान पूर्व मंत्री व भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने इसे देशद्रोही गतिविधि बताते हुए चर्चा कराने तथा सरकार और मुख्यमंत्री से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने देशद्रोही खालिस्तान समर्थक के राजधानी रायपुर में सक्रिय होने का आरोप लगाया। प्रदेश में अराजक घटनाओं का बढ़ाने और पुलिस के द्वारा संज्ञान नहीं लेने का आरोप लगाया। चंद्राकर ने कहा कि प्रिंस क्लब की घटना को भी 2 साल हो गए। विधायक की मौजदगी में गोली चली पुलिस ने क्या किया। देश विरोधी खालिस्तानियो के द्वारा भय का माहौल बनाया गया। मुख्यमंत्री का जवाब आना चाहिए। लोग तेलीबांधा तालाब के पास तक पहुंच गए और पुलिस को पता नहीं चला।बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि लंदन के बाद रायपुर में प्रदर्शन हो रहा है। शिवरतन शर्मा ने कहा कि देश विरोधी ताकते बढ़ रही हैं। संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे ने जवाब दिया कि देश विरोधी गतिविधियों में जो संलग्न होगा हम उसका विरोध करेंगे। देश विरोधी गतिविधियों को सर उठाने नहीं दिया जाएगा।नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपराधियों का पनाहगाह बन गया है। यहां के लोग सुरक्षित नहीं है। देशद्रोही खालिस्तानी रायपुर में रैली निकालते हैं। कोई पूछने तक नहीं आता कोई रोकता तक नहीं। पुलिस मौन है। रायपुर में जुलूस कैसा निकला? बैठक कर एक जुट कैसे हो गए? पुलिस को पता नहीं था क्या?

हंगामे के बीच लोकसभा से विनियोग विधेयक पारित

नई दिल्ली। दोनों सदनों में आज भी जबरदस्त तरीके से हंगामा देखने को मिला। हंगामे की वजह से राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2ः00 बजे के करीब ही स्थगित कर दी गई थी। हालांकि, लोकसभा की कार्यवाही शाम 6ः00 बजे शुरू की गई। लोकसभा ने हंगामे के बीच वर्ष 2023-24 के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से जुड़ी अनुदान की मांगों और संबंधित विनियोग विधेयक को बिना चर्चा के ध्वनिमत से मंजूरी दी। वहीं, राहुल गांधी के मुद्दे को लेकर सत्तापक्ष लगातार विपक्ष पर

हमलावर रहा और भाजपा सांसद राहुल गांधी से माफी मांगते रहे। दूसरी ओर विपक्ष जबरदस्त तरीके से अदानी मामले को लेकर जेपीसी की मांग पर अड़ा रहा। इसके बाद शाम छह बजकर करीब 10 मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा ने बृहस्पतिवार को शहीद दिवस के मौके पर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने शहीद दिवस का उल्लेख करते हुए कहा, ''हमारी स्वतंत्रता के इन नायकों ने आज ही के दिन 1931 में भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को अपने तीन पूर्व सदस्यों सत्यव्रत मुखर्जी, सोहन पोटाई और रंगासामी ध्रुवनारायण को श्रद्धांजलि दी जिनका पिछले दिनों निधन हो गया। लोकसभा में लगातार नौवें दिन प्रश्नकाल नहीं चला। भारत के लोकतंत्र के बारे में लंदन में दिए गए बयान पर सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी से माफी की मांग और अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की विपक्ष की मांग को लेकर दोनों पक्षों के ''अड़ियल रवैये'' के कारण बृहस्पतिवार को राज्यसभा में लगातार सातवें दिन गतिरोध जारी रहा तथा बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर करीब दो बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल सहित नौ राज्यों ने मामलों की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कलैंडर वर्ष 2023 में अब तक देश में 2.78 लाख से अधिक विद्युत चालित वाहन (ईवी) पंजीकृत हुए हैं। गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश 'वाहन पोर्टल' को अपनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

प्रमुख समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एयरपोर्ट पर नारेबाजी के बीच राहुल का दिल्ली में आगमन

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दिल्ली लौट आए हैं। गुजरात में सूरत जिला अदालत ने उन्हें उनके मोदी उपनाम टिप्पणी पर उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया। बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एयरपोर्ट पर ही जोरदार नारेबाजी की है। दूसरी तरफ सोनिया गांधी, राहुल के निवास पर पहुंच गई हैं। राहुल गांधी पर आए फैसले के बाद कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी की छवि को धूमिल करने के लिए किया जा रहा है। अब भी न्यायपालिका जीवित है और हमें न्याय की उम्मीद है। सरकार ये इसलिए कर रही है ताकि राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किया जाए लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है कि उन्हें अयोग्य घोषित किया जाए। गुजरात के सूरत की एक स्थानीय अदालत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक में की गई एक टिप्पणी के लिए दो साल की सजा सुनाई है।

नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी को स्टेज 2 कैंसर, जेल में बंद पति के लिए लिखा इमोशनल नोट

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने ट्विटर पर खुलासा किया कि उन्हें स्टेज 2 कैंसर का पता चला था और उनकी सर्जरी होनी है। उनके ट्वीट उनके पति के लिए एक भावनात्मक पत्र के रूप में आए, जो वर्तमान में 1988 के रोड रेज मामले में जेल में हैं। । नवजोत कौर सिद्धू ने एक ट्वीट में कहा कि वो एक ऐसे अपराध के लिए जेल में है जो उसने किया ही नहीं है। इसमें शामिल सभी लोगों को माफ कर दो। हर दिन बाहर तुम्हारा इंतजार करना शायद तुमसे ज्यादा तकलीफ दे रहा हो। हमेशा की तरह आपके दर्द को दूर करने की कोशिश करते हुए, इसे साझा करने की कोशिश कर रही। नवजोत कौर ने कहा कि तुम्हारा इंतजार किया, तुम्हें बार-बार न्याय से वंचित होते हुए देखा। सत्य इतना शक्तिशाली है लेकिन कलयुग में यह बार-बार आपकी परीक्षा लेता है। सॉरी आपका इंतजार नहीं कर सकती क्योंकि यह स्टेज 2 आक्रामक कैंसर है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने ओबीसी उप-कोटा आदेश पर रोक हटाई

बेंगलुरू। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य में प्रमुख लिंगायत और वोक्कालिगा जातियों के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण के नए उपसमूह बनाने के भाजपा सरकार के आदेश पर लगाई गई रोक को हटा दिया। केंद्र सरकार द्वारा महाधिवक्ता तुषार मेहता के माध्यम से अदालत को आश्वासन दिए जाने के बाद मुख्य न्यायाधीश पी बी वराले की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने रोक हटाने की अनुमति दी थी कि नया ओबीसी कोटा 2 में ओबीसी समूहों के लिए मौजूदा 15 प्रतिशत कोटा को प्रभावित नहीं करेगा। इस फैसले से भाजपा सरकार को लिंगायतों के पंचमसाली उप-वर्ग को संतुष्ट करने में मदद मिलने की संभावना है, जो 2ए श्रेणी में शामिल किए जाने के लिए कई महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। लिंगायतों के 17 प्रतिशत मतों के विभाजन के कारण मई 2023 के चुनावों में पंचमसाली आंदोलन को भाजपा की संभावनाओं के लिए संभावित खतरे के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने परंपरागत रूप से भगवा पार्टी का समर्थन किया है।

सिर्फ चुनाव प्रचार के लिए मेरा इस्तेमाल किया जाता था- राज

नई दिल्ली। मनसे की पड़वा सभा में शिवाजी पार्क में मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे का भाषण राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। राज ठाकरे ने अपने भाषण में ठाकरे गुट के मुखिया उद्धव ठाकरे पर हमला बोला है। साथ ही राज ठाकरे ने यह भी कहा कि उन्हें शिवसेना से निकालने की सोची समझी कोशिश की गई। राज ठाकरे ने ओबेरॉय में उद्धव ठाकरे से मुलाकात का भी जिक्र किया। हालांकि अब उद्धव ठाकरे ने इन सभी आलोचनाओं का जवाब कड़े शब्दों में दिया है। शिवसेना छोड़ने से पहले राज ठाकरे ने पार्टी अध्यक्ष पद को लेकर उद्धव ठाकरे से हुई चर्चा के बारे में बात की थी। मुझे पता था कि मुझे किनारे लगाया जा रहा है। मैं एक बार उद्धव के पास गया और उनसे कहा कि हम कार में बाहर जाना चाहते हैं। हम ओबेरॉय होटल गए। मैंने उसे सामने बैठा दिया। मैंने उससे पूछा, बोलो, क्या चाहते हो? राज ठाकरे ने कहा कि आप पार्टी नेता बनना चाहते हैं, हां। मैं सत्ता में आने पर मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं, हां। लेकिन मुझे बताओ कि मेरा काम क्या है? सिर्फ पब्लिसिटी के लिए मुझे बाहर मत निकालो।

2050 तक पानी के संकट से सबसे ज्यादा जूझेगा भारत

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत को लेकर बड़ा दावा किया गया है। कहा गया है कि 2050 तक दुनिया में सबसे ज्यादा भारत में पानी का संकट होगा। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और चीन में भी स्थिति खराब होगी। कई नदियों में बहाव की स्थिति भी कमजोर पड़ जाएगी। यूएन की रिपोर्ट की माने तो दुनिया की लगभग 1.7 से 2.40 अरब की शहरी आबादी पानी के संकट से जूझेगी। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार साल 2016 में 9.33 करोड़ आबादी पानी के संकट से जूझ रही थी। संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 2023 से पहले यूनाइटेड नेशंस ने संयुक्त राष्ट्र विश्व जल रिपोर्ट 2023 जारी की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अभी दुनिया की 26 फीसदी आबादी को पीने के लिए साफ पानी नहीं मिल रहा है। जबकि 46 फीसदी आबादी सुरक्षित पेय जल का लाभ उठा रही है। यूएन की तरफ से यूनेस्को की जारी रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के दो से तीन बिलियन लोग साल में कम से कम एक महीने पानी की कमी से जूझते हैं। यूएन ने कहा है कि ये संकट आने वाले समय में और भी ज्यादा बढ़ने वाली है।

सीपी जोशी को राजस्थान की कमान, मेवाड़ साधने का प्लान

भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी दिल्ली, बिहार और राजस्थान राज्य इकाइयों में नए प्रमुखों की नियुक्ति की। दिल्ली भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को इसके राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और लोकसभा सांसद सीपी जोशी को राजस्थान भाजपा का नया प्रमुख नियुक्त किया गया। राजस्थान में चुनाव होने से आठ महीने पहले एक अप्रत्याशित कदम में भाजपा ने गुरुवार को अपने प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया की जगह चित्तौड़गढ़ से लोकसभा सांसद चंद्र प्रकाश जोशी की नियुक्ति की है। ब्राह्मण नेता जोशी की जड़ें आरएसएस से जुड़ी हैं और वो जमीनी नेता माने जाते हैं। चित्तौड़गढ़ में अपने कॉलेज में छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में एबीवीपी के साथ शुरुआत करते हुए, भदेसर में जिला परिषद सदस्यता और उप-प्रधान पद तक पहुंचे। पंचायत समिति, और इसके अध्यक्ष बनने से पहले राजस्थान भारतीय जनता युवा मोर्चा समते कई पदों पर रहे हैं।

2014 में देश भर में चलने वाली नरेंद्र मोदी लहर में जोशी चित्तौड़गढ़ से लोकसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 3.16 लाख वोटों के भारी अंतर से विजय हासिल की। 2019 में उन्होंने फिर से जीत हासिल की और वो भी पिछले से भी बड़ी जीत। कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी गोपाल सिंह शेखावत पर अपना अंतर बढ़ाकर 5.76 लाख वोट कर दिया। यह उस चुनाव में राज्य में दूसरी सबसे बड़ी जीत का अंतर था, इसके बाद बीजेपी के सुभाष चंद्र बहेरिया ने भीलवाड़ा से 6.12 लाख वोटों से जीत हासिल की। जोशी अगस्त 2020 से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रहे हैं। चुनावी वर्ष में भाजपा एक ब्राह्मण नेता के रूप में जोशी को भुनाने की कोशिश कर सकती है। राजस्थान में एक समुदाय से सबसे अधिक यानी चार ब्राह्मण मुख्यमंत्री रह चुके हैं। हालांकि ये आखिरी

तीन दशक पहले की बात है। भाजपा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष पूनिया जाट हैं। हालांकि इस समुदाय की संख्या ब्राह्मणों से काफी अधिक है, लेकिन राजस्थान में इसका कभी कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है।

भरेंगे राजस्थान भाजपा की शून्यता

वर्तमान में जब ब्राह्मण प्रतिनिधित्व की बात आती है तो राजस्थान भाजपा में एक शून्य है। राजस्थान बीजेपी में आखिरी बार घनश्याम तिवारी के रूप में एक बड़े कद के ब्राह्मण नेता थे, जो छह बार विधायक रहे। उन्होंने तत्कालीन बीजेपी सीएम वसुंधरा राजे के साथ अपने मतभेदों के बाद पार्टी छोड़ दी थी। तिवारी की पार्टी 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी छाप छोड़ने में विफल रहने के बाद, वो कांग्रेस में शामिल हो गए। जबकि वह अंततः भाजपा में लौट आए और पार्टी ने उन्हें पिछले साल राज्यसभा सदस्य बनाया। तिवारी पिछले साल दिसंबर में 75 वर्ष के हो गए।

मेवाड़ से ही कटारिया को बनाया राज्यपाल

47 साल के जोशी बहुत छोटे हैं निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष पूनिया से भी छोटे हैं जो 58 साल के हैं। सप्ताहांत में आयोजित एक ब्राह्मण महापंचायत में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को भाजपा के लिए समुदाय के नए चेहरे के रूप में मनाया गया। हालांकि, वैष्णव पर जोशी के पास कई फायदे हैं, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि वह केंद्रीय मंत्री की तुलना में एक संगठन के व्यक्ति हैं, जो अपने करियर के अधिकांश नौकरशाह रहे हैं। महापंचायत में वक्ताओं में से एक जोशी थे। उन्होंने सभा को बताया- देश और दुनिया इस बात से सहमत हैं कि अगर कोई दुनिया को चलाता है, तो वह देवता हैं। मंत्र ही हैं जो देवताओं को चलाते हैं। और उन मंत्रों का जाप कौन करता है? ब्राह्मण सम्प्रदाय है। इसलिए इस समुदाय द्वारा दिया गया सम्मान अकारण नहीं है। आगे ब्राह्मणों की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने कहा कि समुदाय से संबंधित क्रांतिकारी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सबसे आगे थे। जोशी को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने मेवाड़ को साधने की भी कोशिश की है जहां ब्राह्मण और वैश्य एक बड़ा वोट बैंक है। मालूम हो कि बीते दिनों मेवाड़ से ही बीजेपी ने गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया था।

नीतीश को टक्कर देंगे सम्राट चौधरी

भाजपा ने सम्राट चौधरी को बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी ने यह बड़ा दांव खेला है। सम्राट चौधरी संजय जायसवाल की जगह लेंगे। माना जा रहा है कि भाजपा ने यह कदम नीतीश कुमार को बड़ा झटका देने से उठाया है। बिहार में कुशवाहा और कुर्मी वोट पर नीतीश कुमार की जबरदस्त पकड़ रही है। ऐसे में सम्राट चौधरी को आगे कर इस वोट बैंक में भाजपा सेंध लगाने की कोशिश करेगी। सम्राट चौधरी लगातार नीतीश सरकार पर हमलावर रहते हैं। हाल में ही विधान परिषद में नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के बीच जबरदस्त नोकझोंक भी हुई थी।

बूथ सशक्तिकरण अभियान विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करेगा : भूपेंद्र सवन्नी

■ भाजपा की जिला स्तरीय बूथ सशक्तिकरण अभियान प्रगति समीक्षा बैठक संपन्न

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी बूथ सशक्तिकरण अभियान की प्रगति की समीक्षा को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में दुर्ग संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, दुर्ग जिला प्रभारी राजीव अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति एवं जिला भाजपा जितेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंचासीनों दुर्ग शहर विधानसभा प्रभारी प्रीतम साहू ,दुर्ग ग्रामीण विधानसभा प्रभारी गौरीशंकर श्रीवास, साजा विधानसभा प्रभारी संजू नारायण सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक जागेश्वर साहू, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं बूथ सशक्तिकरण अभियान के जिला संयोजक प्रीतपाल बेलचंदन, जिला महामंत्री ललित चंद्राकर, सुरेंद्र कौशिक शामिल रहे। बैठक में वरिष्ठ नेताओं के द्वारा बूथ सशक्तिकरण अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई साथ ही साथ पूर्व में संपन्न हो चुके अन्य कार्यक्रमों की भी जानकारी प्राप्त की गई

इस अवसर पर भाजपा संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी ने दुर्ग संभाग के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि कहा कि मोर आवास मोर अधिकार आंदोलन में दुर्ग संभाग में सबसे ज्यादा दुर्ग जिले से की सहभागिता रही, जिसके लिए प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं ने भी दुर्ग जिले को लेकर संतोष और हर्ष व्यक्त किया है, प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर हुआ वृहद आंदोलन छत्तीसगढ़ के इतिहास का सबसे बड़ा मेगा शो था और इस आंदोलन के पश्चात भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में और तेजी से माहौल में परिवर्तन आया है। छत्तीसगढ़ की सरकार ने जो वादाखिलाफी की है उसे अब हमें और तीव्र गति से लोगों को अवगत कराना है। प्रदेश का वह हर क्षेत्र जहां हितग्राही केंद्र सरकार की योजनाओं से महरूम है उसे केंद्र सरकार की योजनाओं से अवगत कराते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान हेतु प्रेरित करना है ताकि भाजपा की जीत सुनिश्चित हो सके। बूथ सशक्तिकरण अभियान की सफलता ही हमारी विधानसभा की जीत सुनिश्चित करेगा इस अभियान को अपनी पूरी ताकत लगाकर इसे सफल बनाना है7

जिला संगठन प्रभारी राजीव अग्रवाल ने बुथ सशक्तिकरण अभियान की मंडल वार समीक्षा की प्रत्येक मंडल अध्यक्षों से शक्ति केंद्र की बैठक, बूथों की बैठक और उन बैठकों में महामहिम राष्ट्रपति जी का अभिभाषण वाचन , एवं दी गई पुस्तिका भरी गई है कि नहीं जानकारी प्राप्त की मंडलों में वॉल राइटिंग का कार्य की भी समीक्षा की गई और मंडल अध्यक्षों से संख्या ली गई और आवश्यक दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा आप सभी इस कार्यक्रम को सफल बनाएं और पार्टी के द्वारा तय किए गए कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने प्रस्तावना अभिभाषण में कहां की पार्टी के द्वारा जो हम सभी को दायित्व प्रदान किया गया है उस पर हम सभी को खराब करना है अब हम सभी को डु एंड डाइट की स्थिति में ही काम करना पड़ेगा सभी को अपने दायित्व पर खरा उतरना होगा ।बुथ सशक्तिकरण अभियान के जिला संयोजक प्रीतपाल बेलचंदन ने संबोधित करते हुए कहा कि आज पार्टी के द्वारा लगातार काम किया जाता रहा है लेकिन इस बार बुथ सशक्तिकरण अभियान पार्टी ने अपनी सारी गतिविधियों पर रोकथाम लगा दी है अभियान की सफलता ही हमारी विधानसभा की जीत का घोतक होगी मुझे यकीन है आप सभी इस पर सफल होंगे

बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र कौशिक ने किया और आभार जिला महामंत्री ललित चंद्राकर ने किया। आयोजित बैठक मे वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी, राजेश ताम्रकार, डॉ शरद अग्रवाल, उपाध्यक्ष नटवर ताम्रकार ,विनायक नातू, दिलीप साहू, अलका बाघमार, मंत्री बोधन यादव, रोहित साहू, आशीष निंमजे, अमिता बंजारे, कोषाध्यक्ष विनोद अरोरा, सह कोषाध्यक्ष नीलेश अग्रवाल, जिला कार्यालय मंत्री मनोज सोनी शाह कार्यालय मंत्री मदन वढ़ाई प्रवक्ता दिनेश देवांगन मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश श्रीवास्तव, सह प्रभारी नारायण दत्त तिवारी, आईटी सेल जिला संयोजक जितेंद्र राजपूत आदि उपस्थित रहे।

शासन की फ्लैगशिप योजनाओं पर करें गंभीरता से कार्य - आयुक्त

कोरबा। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि शासन की जनकल्याणकारी व फ्लैगशिप योजनाओं पर पूरी गंभीरता से कार्य करें, त्रुटिरहित संचालन करते हुए हितग्राहियों तक अपेक्षित लाभ पहुंचाएं। उन्होने स्पष्ट रूप से कहा कि योजनाओं के संचालन में उदासीनता कतई स्वीकार्य नहीं होगी, अतः इनसे जुड़े कार्यो को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा बेहतर परिणाम हासिल करें। आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के विकास व निर्माण कार्यो में अपेक्षित गति लाने, नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यो का संपादन पूर्ण निष्ठा के साथ किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने निगम के अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। उन्होने शासन की महत्वाकांक्षी योजना गोधन न्याय योजना, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, श्री धन्वंतरी योजना, मुख्यमंत्री मितान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, डायरेक्ट भवन अनुज्ञा स्कीम, अनियमित विकास का नियमितीकरण, भवन निर्माण अनुज्ञा, विकास व निर्माण कार्य, राजस्व वसूली सहित निगम के नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यो, पेंशन योजनाओं आदि की बिन्दुवार समीक्षा की। आयुक्त श्री पाण्डेय ने गोधन न्याय योजना अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा, नगर पालिका दीपका व कटघोरा, ननगर पंचायत पाली व छुरी आदि जिले के सभी निकायों के गोठानों व गोबर खरीदी केन्द्रों में गोबर की खरीदी, खाद निर्माण व उनका विक्रय आदि की निकायवार, गोठानवार समीक्षा की तथा योजना के बेहतर संचालन के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत जिले के सभी निकायों में मोबाईल मेडिकल यूनिट्स शिविरों के आयोजन, दवाईयों की उपलब्धता, लाभांवित हितग्राहियों की संख्या आदि की बिन्दुवार जानकारी लेते हुए शिविरों के त्रुटिरहित संचालन व आमनागरिकों की निःशुल्क जांच तथा उनकी बीमारियों का निःशुल्क इलाज किए जाने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने श्री धन्वंतरी योजना, मुख्यमंत्री मितान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि योजनाओं की कार्यप्रगति की भी योजनावार समीक्षा की तथा योजनाओं के त्रुटिरहित संचालन के निर्देश दिए।

नियमितीकरण कार्यप्रगति में तेजी लाएं - आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने बैठक के दौरान अनियमित विकास के नियमितीकरण की वर्तमान कार्यप्रगति की समीक्षा की, उन्होने निगम के सभी 08 जोन से नियमितीकरण हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों तथा उन पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए आवेदनों की संख्या बढ़ाने, नियमितीकरण हेतु लोगों को जागरूक करने व उन्हें नियमितीकरण के फायदों की जानकारी देने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

जमीन घोटाला मामला : भूमाफियाओं पर कार्रवाई व जमीन वापस दिलाने की मांग

कोरबा। राजस्व मंत्री के गृह व आकांक्षी जिला कोरबा में भूमाफियाओं की कारगुजारियाँ नहीं थम रही। करतला विकासखण्ड के ग्राम पंचायत रामपुर से एक ऐसा ही बड़ा फर्जीवाडा सामने आया। जहां सँयुक्त खातेदार भू - स्वामियों से टॉवर में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा मिलने के नाम धोखे से दस्तखत लेकर 60 डिसमिल जमीन की बिक्री कर दी। प्रकरण में पीड़ित ने रजिस्ट्री निरस्त कर जमीन वापस दिलाए जाने एवं धोखाधड़ी करने वालों पर अपराध दर्ज करने प्रदेश के गृहमंत्री को पत्र लिखकर न्याय गुहार लगाई है।

शिकायत पत्र अनुसार करतला ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर में निवासरत छविलाल केंवट पिता प्रताप सिंह ने लिखित शिकायत पत्र प्रस्तुत करते हुए यह बताया है किए वह कक्षा तीसरी तक पढ़ा है, वह दस्तखत करने जानता है किंतु उसे पढ़ना नही आता। उसके साथ सहखातेदार देवप्रसाद, हेमलता और केतकी बाई के संयुक्त स्वामित्व में ग्राम जोगीपाली, पटवारी हल्का नम्बर 36 में भूमि खसरा क्रमांक . 895 शामिल खसरा क्रमांक 896/3ए 904/2 रकबा 0.2430 है। खसरा नम्बर 412/3 रकबा 0.0160ए 883/1 ;शामिल खसरा नम्बर 110/1 रकबा 1.538 है। खसरा नम्बर 906 रकबा 0.05340 कुल 1.8504 हेक्टेयर 4 एकड़ 57 डिसमिल भूमि स्थित है। जिसमें प्रार्थी सहित सहखातेदार काबिज कारत होकर कास्तकारी करते चले आ रहे हैं। शिकायत पत्र में उल्लेखित किया गया है कि प्रार्थी और उसके साथ सहखातेदारों के अनपढ़ होने का फायदा उठाते हुए अधिवक्ता प्रेमसिंह केंवट, अकरम सिद्दीकी एवं ओम कोटवार द्वारा प्रार्थी एवं सहखातेदारों को टावर मुआवजा का चेक मिलेगा कहकर कोरबा एसडीओ कार्यालय ले जाया गया और कुछ कागजातों में दस्तखत, अंगूठा निशानी एवं फ़ोटो लिया गया। उन्होंने अधिवक्ता प्रेमसिंह केंवट पर भरोसा किया और उसके बताए अनुसार दस्तावेजों परअ दस्तखत कर दिया। वहीं प्रार्थी को यह मालूम नही था कि जिस व्यक्ति के कहने पर वे कागजातों पर दस्तखत कर रहे हैं वहीं व्यक्ति उनके भरोसे के साथ खेल जाएगा। उन्होंने उस अधिवक्ता के कहने पर दस्तखत तो कर दिया किंतु उन्हें यह मालूम नही था कि प्रार्थी के अनपढ़ होने का वे लोग गलत फायदा उठा रहे हैं।दस्तखत करने के पश्चात प्रार्थी बिजली टॉवर का चेक प्राप्त किया और सभी लोग वापस अपने घर आ गए, फिर कुछ दिनों बाद गांव के ही अकरम सिद्दीकी नामक व्यक्ति के द्वारा प्रार्थी की बहन केतकी बाई जो कि मानसिक रूप से कमजोर है और गांव में भीख मांगकर अपना जीवनयापन करती है। उसे भी वही टॉवर का चेक मिलेगा कहकर कोरबा ले गया और दस्तखत करवा लिया। कुछ दिनों बाद उन्हें ग्रामवासियों से पता चला कि उनके स्वामित्व की भूमि खसरा क्रमांक 895 रकबा.0.2430 हेक्टेयर 60 डिसमिल भूमि बिक चुकी है और उस जमीन का खरीददार कोई और नही बल्कि गांव का ही अमन अग्रवाल नामक व्यक्ति है। इस बात का जब उन्हें पता चला तो उनकी सांसे रुक सी गयी और वे सोच में पड़ गए कि ऐसा कैसे हुआ। उन्होंने आगे पता किया तो उन्हें पता चला कि जिस दिन उन्हें कोरबा लेकर गए थे उसी दिन उनके जमीन का मुख्तियारनामा खास लेकर अधिवक्ता प्रेम सिंह केंवट एवं अकरम सिद्दीकी नामक व्यक्तियों द्वारा उस जमीन को गांव के ही अमन अग्रवाल के पास बेच दिया गया है।

भेजरीपदर में स्थिति तनावपूर्ण

छावनी में तब्दील हुआ पूरा गांव

जगदलपुर। बस्तर जिले के तोकापाल ब्लॉक के भेजरीपदर गांव में मूल धर्म को छोड़कर ईसाई धर्मांतरित परिवार की एक बुजुर्ग महिला की मौत के बाद ग्रामीणों ने गांव में उसके शव को दफनाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ता देख मृत महिला के परिजनों ने शव को पुलिस को सौंप दिया था। जब पुलिस ने शव दफनाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। जिसके बाद जिला मुख्यालय से अतिरिक्त बल को भी मौके के लिए बुलाया गया। जिसके बाद शव को दफना दिया गया। इसके नाराज भेजरीपदर ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर दफनाए गए शव को वापस निकालने की मांग की है। इस विवाद के चार दिन दिन बाद भी गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, जिसे देखते हुए भेजरीपदर गांव को पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है। एसडीओपी एश्वर्य चन्द्रा ने बताया कि कुछ लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भेजरीपदर गांव के 03 किमी के दायरे में 06 डीएसपी, 10 टीआई और करीब 400 से ज्यादा जवान तैनात किए गए हैं। प्रशासन की पूरी टीम तनावपूर्ण माहौल को शांत करने में लगी हुई है। स्कूल भवन के अंदर जवानों ने तंबू लगाकर डेरा जमा रखा है। भेजरीपदर गांव के ग्रामीण कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। भेजरीपदर के आदिवासियों की मांग है कि, जिस धर्मांतरित महिला के शव को गांव में दफनाया गया है उसे वापस निकाला जाए। या फिर महिला का पूरा परिवार मूल धर्म में लौट आए। अगर ऐसा होता है तो विरोध खत्म कर देंगे। हालांकि, दूसरे पक्ष के लोग बात मानने से इनकार कर रहे हैं। आज गुरूवार को भी यही स्थिति बनी हुई है। तोकापाल एसडीएम ऋतुराज सिंह बिसेन ने बताया कि दफनाए गए शव को वापस निकालने ग्रामीणों की तरफ से ज्ञापन मिला है। यह मामला न्यायालय से संबंधित है, इसलिए हमारी तरफ से इसपर कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है। उन्होने बताया कि गांव की आबादी करीब 1100 की है, दोनों समुदाय के लोगों की संख्या लगभग बराबर ही है।

सर्वमंगला मंदिर में सर्वाधिक मनोकामना ज्योत जले

कोरबा। आदि शक्ति मां दुर्गा का आशीर्वाद बुधवार से पूरे 9 दिन तक भक्तों को मिलेगा। मान्यता है कि नवरात्र में माता अपने भक्तों के बीच पहुंचती हैं। देवी मां की आस्था में नगर समेत उपनगरों व ग्रामीण अंचल के प्रसिद्ध देवी दरबार मनोकामना ज्योत से जगमगाने लगे हैं।

लोगों ने अपने अपने नाम के ज्योत कलश को जलाने के लिए अपनी सुविधा के अनुसार मंदिर पहुंचते रहे। यह क्रम देर शाम तक चलता रहा। हर बार की तरह इस बार भी सर्वाधिक 7350 भक्तों के नाम की मनोकामना ज्योत मां सर्वमंगला के दरबार में जल रहे हैं। यहां 6600 तेल ज्योत तो 750 घृत ज्योत प्रज्जवलित हो रहे हैं। नवरात्र के पहले ही दिन से देवी मंदिरों में लोगों ने पहुंचकर पूजा अर्चना किए। देवी आस्था तो है पर घट रहे मनोकामना ज्योत-नवरात्र में आदिशक्ति के दरबार में जलने वाले मनोकामना ज्योत की संख्या कम होने लगी है। बीते साल चैत्र नवरात्र में की तुलना में इस बार काफ ी कम भक्तों के मनोकामना ज्योत प्रज्जवलित हो रहे हैं। मां सर्वमंगला मंदिर में ही अकेले 10 हजार के करीब मनोकामना ज्योत। मां सर्वमंगला मंदिर की महिमा अपने देश में रहने वाले भक्तों में तो है ही विदेशों में रहने वाले भारतीयों में भी आस्था बनी हुई है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि चैत्र नवरात्र में यहां प्रज्जवलित हो रहे मनोकामना ज्योत में इस बार 2 विदेशों में रहने वाली भारतीयों के नाम भी जल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

रेंगाडीह बूथ क्रमांक 56 में बुथ सशक्तिकरण अभियान

नगरी। भारतीय जनता पार्टी मंडल मगरलोड बुथ सशक्तिकरण अभियान के तहत अमलीडीह शक्ति केंद्र के बुथ क्रमांक 56 रेंगाडीह में बैठक आयोजित किया गया जिसमें सर्वप्रथम महामहिम द्रोपति मुर्मू जी के द्वारा लोकसभा और राज्य सभा के सयुक्त बैठक में दिए गए अभिभाषण का वाचन प्रभारी भवानी यादव सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व जनपद सदस्य के द्वारा करने के बाद ग्राम में दीवाल लेखन किया गया। भवानी यादव ने उद्बोधन में कहा कि बुथ जीता तो चुनाव जीता की रणनीति पर आगामी चुनाव की तैयारी मे अभी से जुट जाना है और केन्द्र सरकार की योजनाओ को जन जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर संयोजक अश्वनी सिन्हा, वरिष्ठ भाजपा नेता हेमप्रकाश साहू,युवा मोर्चा उपाध्यक्ष नोकेश्वर ध्रुव, बुथ अध्यक्ष बेदराम दीवान, सचिव युवराज साहू, बीएलए 02 टीकम यादव, युवा प्रमुख गजेन्द्र देवदास, बुथ उपाध्यक्ष भगवानी साहू, भागवत साहू, दिनेश्वर दीवान,तिलक राम, सुरेंद्र कुमार, गोवर्धन देवदास, नेमसिंह धुव्र, गोपाल राम,लाला यादव, विजय दीवान, बिसौहा राम आदि उपस्थित हुए।

पाटन में मुड़पार से महकाकला तक हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा

पाटन। पाटन विधानसभा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन का हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा मुड़पार से शुभारंभ हुआ। जो महाका कला में जाकर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कृषि उपज मंडी दुर्ग के अध्यक्ष अश्वनी साहू , छग साख सहकारी समिति सेक्टर 1 भिलाई के अध्यक्ष जवाहर वर्मा, सुरेंद्र गायकवाड अध्यक्ष सरपंच संघ पाटन, खिलेश मारकंडे जनपद सदस्य, नेमचंद निर्मलकर, लोचन यादव, मनोज निर्मलकर, राजेन्द्र सिन्हा, ललित सिन्हा, त्रिलोचन ठाकुर,पप्पू यादव, कंतलाल, परस देशलहरे, अरुप मारकण्डेय, समीर, आदित्य देशलहरे, राधे यादव, बुधू पटेल, आशमती, ललिता यादव, तुप्ति यादव, चित्ररेखा, विजय लछ्मी, अहेल्या, लछ्मी, जोगराज तिवारी, बालकिशोर, शंकर पटेल, केकती, मजू सोनवानी, मुना बाई, सीमा, बालकिशोर, अर्जुन ठाकुर, भुखउ ठाकुर, राजु विश्वकर्मा, संतोष यादव, माखन, उर्मिला, ऊषा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता गण व ग्रामवासी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से चन्द्राकर समाज का प्रतिनिधिमंडल मिला

पाटन। पाटन विधानसभा में छत्तीसगढ़ चंद्राकर समाज जामगांव एम उप क्षेत्र एवं बेमेतरा राज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से विधानसभा में भेंट कर सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की। इस अवसर पर तर्रा जनता उच्चतर माध्यमिक शाला के शासकीय करण पर बात रखते हुए खिलावन चंद्राकर ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए बताया यह स्कूल 100 साल पुराना है। सत प्रतिशत अनुदान भी मिलता है शिक्षक भी शासन द्वारा भेजा जाता है, जनहित में इस स्कूल को शासकीय करण किया जावे ।उक्त मांग पर मुख्यमंत्री ने तत्काल आदेश विधानसभा सत्र के बाद करने का आश्वासन दिया। सामाजिक भवन हेतु प्रतिनिधिमंडल ने ग्राम पंचायत तर्रा द्वारा 1 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने की जानकारी दी। जिस पर मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर दुर्ग से तत्काल उक्त स्थल को समाज को आवंटित करने आवश्यक कार्यवाही करने अपने अधिकारियों को निर्देशित किया।

प्रतापपुर में बाघ की दहाड़ से ग्रामीणों में दहशत

सूरजपुर। प्रतापपुर इलाका इन दिनों फिर से एक बार बाघ की दहाड़ से सहमा हुआ है। लगभग 15 दिनों बाद फिर से घुई वन परिक्षेत्र में बाघ की आमद देखी गई है। गौरतलब हो कि लगभग 15 दिन पहले तमोर पिंगला अभ्यारण की तरफ से आए बाघ ने घुई वन परीक्षेत्र में कई मवेशियों का शिकार किया था। जिसके बाद यह बाघ बलरामपुर जिला होते हुए झारखंड चला गया था, लेकिन आज फिर बाघ के पंजों के निशान मिले हैं। जिसको लेकर ग्रामीणों और वन विभाग के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई है। हालांकि, अभी तक बाग के द्वारा किसी इंसान को क्षति नहीं पहुंचाई गई है, लेकिन इलाके में बाघ की दहाड़ से ग्रामीण सहमे हुए हैं। इनको किसी बड़े हादसे का डर सता रहा है, वहीं वन विभाग के द्वारा पूरे इलाके में मुनादी करा दी गई है।

घानीघूंटा घाट में गिरी तेज रफ्तार वाहन, 25 घायल

कवर्धा। लोहारा थाने के घानीघूंटा घाट में एक तेज रफ्तार वाहन खाई में जा गिरी। इस हादसे में 25 लोग घायल हो गए जिनमें 9 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को लोहारा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। 9 गंभीर लोगों को कवर्धा के जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। सभी सगाई समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे। बेमेतरा जिला के सिंघनपुरी निवासी गोड परिवार अपने बेटे की सगाई करने बेमेतरा व कबीरधाम जिले के अलग-अलग गांव के अपने रिश्तेदार परिवार को लेकर सराईपतेरा गांव गए हुए थे। सगाई समारोह खत्म होने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान घानीघूंटा घाट में तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। दुर्घटना के बाद सूचना मिलते ही पुलिस एंबुलेंस व डायल 112 के साथ घटनास्थल पहुंचकर सभी घायलों को बाहर निकाला। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। लोहारा थाना के प्रभारी ने बताया कि रात में सूचना मिली की घानीघूंटा घाट में एक वाहन गिर गई है।

राजहरा खदान में सुरक्षा गार्ड के ठेके में अनियमितता की शिकायत

दल्लीराजहरा। भारतीय मजदूर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल महाप्रबंधक नगर प्रशासन व्ही के श्रीवास्तव से मिलकर राजहरा खदान समूह में चल रहे सुरक्षा गार्ड के ठेके में हो रही अनियमितता की शिकायत की और तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री मुश्ताक अहमद ने बताया कि ठेकेदार द्वारा ठेका के शर्तें का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। मगर आपरेटिंग अथारटी नवीन कुमार जैन डीजीएम भिलाई और नगर प्रशासन विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है जोकि खेदजनक है। जिला मंत्री मुश्ताक अहमद ने बताया कि जब से सुरक्षा गार्ड का ठेका चल रहा है आये दिन कुछ न कुछ विवाद होते रहता है मगर भिलाई में बैठे आपरेटिंग अथारटी नवीन कुमार जैन द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जाती है जो बहुत सी शंकाओं को जन्म देता है ,और राजहरा नगर प्रशासन विभाग की स्थिति तो काफी हास्यास्पद है ये किसी प्रकार की कार्यवाही करने में तो सक्षम नहीं है मगर ठेकेदार के वेतन भुगतान लिए पूरी तत्परता दिखाते हैं और सुरक्षा गार्डों के हाजिरी को प्रमाणित कर समय से भेजते हैं। इनको तो उच्च प्रबंधन ने पोस्टमैन बनाकर रख दिया है जिनका काम सिर्फ चिट्ठी पहुंचाने तक सीमित है और उसमें भी बहुत बड़ा खेल है नगर प्रशासन विभाग को प्रमाणित हाजिरी आपरेटिंग अथारटी नवीन कुमार जैन को भेजना चाहिए मगर ये भेजते हैं ठेकेदार को और तो और ठेकेदार द्वारा दिए हाजिरी को आपरेटिंग अथरटी नवीन कुमार जैन सही मानते हुए ठेकेदार का भुगतान भी करवा रहे हैं जोकि जांच का विषय है।

संघ ने महाप्रबंधक नगर प्रशासन से निम्न बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया है और कहा कि आपरेटिंग अथारटी नवीन कुमार जैन को राजहरा बुलाकर बैठक करवाई जाए जिससे जो अधिकारी निर्णय लेने में सक्षम हो वह कार्यवाही कर सकें। बताया गया कि राजहरा खदान समूह में कार्यरत सुरक्षा गार्डों को तीन माह से वेतन नहीं मिला है इसलिए तत्काल सुरक्षा गार्डों का विभागीय भुगतान किया जाए। राजहरा खदान समूह में कार्यरत सुरक्षा गार्डों का ठेका भिलाई से न निकल कर राजहरा से ही निकाला जाए। राजहरा खदान समूह में कार्यरत सुरक्षा गार्डों वेतन भुगतान संबंधी अनापत्ति प्रमाणपत्र राजहरा कार्मिक विभाग द्वारा दिया जाए। राजहरा खदान समूह में कार्यरत सुरक्षा गार्डों को वेतन मिला की नहीं कम मिला की ज्यादा इसको भिलाई कार्मिक विभाग द्वारा जांच नहीं किया जाता है।और बिना किसी जांच के भिलाई कार्मिक विभाग द्वारा ठेकेदार का भुगतान करना समझ से परे है। नाईट एलाउंस सुरक्षा गार्ड के सभी पोस्ट पर दिया जाए जिस पर नगर प्रशासन महाप्रबंधक ने अपनी सहमति दी है। राजहरा खदान समूह में जितने पोस्ट के लिए सुरक्षा गार्ड की भर्ती की जानी थी उतने पोस्ट पर गार्ड लगे हैं कि नहीं यह भी जांच का विषय है।

डेंगू-मलेरिया रोकथाम के लिए निगम कर रही है मच्छर रोधी दवा का छिड़काव

जगदलपुर। बस्तर संभाग मलेरिया और डेंगू के मामले में संवेदनशील माना जाता है, इन दिनों बस्तर में बेमौसम बारिश के चलते शहर में अनेक जगहों पर जल जमाव से डेंगू और मलेरिया जैसे मच्छर जनित रोगों के फैलने की संभावना को देखते हुए बस्तर जिले के कलेक्टर के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन मच्छरों पर नियंत्रण के लिए शहर में अभियान के तहत मच्छर रोधी दवा का छिड़काव कर रही है।

बस्तर जिले के कलेक्टर चंदन कुमार के निर्देश पर अमल करते हुए जगदलपुर नगर निगम के आयुक्त दिनेश नाग ने एहतियातन डेंगू व मलेरिया की रोकथाम व बचाव तथा मच्छर उन्मूलन के लिए नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग के अमले लगातार शहर के वार्डो में घर-घर जाकर लोगों को इससे बचाव के संबंध में जानकारी देने के साथ जल जमाव वाली जगहों पर व नालियों में मच्छर रोधी दवा का छिड़काव कर रहे हैं। निगम आयुक्त दिनेश कुमार नाग ने बताया कि शहर के सभी वार्डो में डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिए निगम प्रशासन द्वारा स्प्रेयर से दवा का छिडकाव प्रारंभ कर दिया गया है। सभी वार्डों के लोगों से डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिए निगम के कर्मचारी अधिकारी जानकारी देकर अपील कर रहे हैं। आयुक्त श्री नाग ने बताया कि लोगों से पानी का जमाव ना होने देने, कूलर, गमलों, पुराने टायरों में पानी जमा न होने देने की अपील कर रहे हैं। नगर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश भी दिया गया है। इस अभियान में निगम स्वच्छता विभाग के अधिकारी, कर्मचारी अन्य विभागीय अमले जुटे हुए हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

लोकपाल के तहत आज तक किसी पर नहीं चला मुकदमा

नई दिल्ली। भ्रष्टाचारियों को सजा देने के लिए लाए गए लोकपाल पर संसद में सवाल खड़े किए गए हैं। संसद में पेश एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लोकपाल के तहत आज तक भ्रष्टाचार के एक भी आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया है, रिपोर्ट में कहा गया कि इसका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है। संसदीय समिति ने पिछले साल मई से खाली पड़े लोकपाल के अध्यक्ष के पद को नहीं भरे जाने पर सवाल उठाया और रिक्तियों को भरने के लिए की जा रही कार्रवाई पर सरकार से जवाब मांगा। रिपोर्ट में समिति ने कहा कि लोकपाल द्वारा दिए गए आंकड़ों से अनुमान लगाया जा सकता है कि बड़ी संख्या में शिकायतों का निपटारा इस आधार पर किया जा रहा है कि वे निर्धारित प्रारूप में नहीं हैं। लोकपाल ने समिति को प्रस्तुत किया है कि उसने आज तक भ्रष्टाचार एक भी व्यक्ति पर आरोप नहीं लगाया है। पैनल ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए कानूनी और संस्थागत तंत्र को मजबूत करने के लिए लोकपाल की स्थापना की गई थी।

राजस्थान, बिहार, ओडिशा और दिल्ली में बदले गए भाजपा अध्यक्ष

नईदिल्ली। भाजपा ने आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। राजस्थान से सांसद सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है। विधान परिषद सदस्य सम्राट चौधरी को बिहार और मनमोहन सामल को ओडिशा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दिल्ली नगर निगम चुनावों में भाजपा की हार के बाद आदेश गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी जगह कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया गया है। बिहार के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए सम्राट चौधरी इस समय विधान परिषद के सदस्य हैं। वे सदन में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने इसी साल चुनाव में जाने वाले राज्य राजस्थान में चित्तौड़गढ़ से दो बार के सांसद रहे सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे मूलरूप से संगठन के व्यक्ति माने जाते हैं। मनमोहन सामल को ओडीशा की कमान सौंपी गई है। प्रदेश में नवीन पटनायक के एकछत्र राजनीतिक वर्चस्व वाले माहौल में पार्टी को मजबूत बनाना उनकी पहली जिम्मेदारी होगी।

अखिलेश यादव मेरी हत्या करा सकते हैं : केशव प्रसाद

बरेली। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के मन में उनके प्रति जहर भरा है और वह उनकी हत्या भी करा सकते हैं। मौर्य ने बृहस्पतिवार को अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल पर कहा, मैं यह मानता हूं कि उनके मन के अंदर मेरे प्रति बहुत जहर भरा हुआ है। मैं कभी भी अखिलेश यादव जी को श्री अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष के अलावा उनके प्रति कोई और शब्द प्रयोग नहीं करता लेकिन उनकी जो भावना है, पता नहीं किनसे—किनसे मिली भगत करके उनका बस चले तो मेरी हत्या करवा दें। उनसे पूछा गया था कि अखिलेश यादव कहते हैं कि केशव प्रसाद मौर्य तो शूद्र हैं, और वह उनके बारे में कुछ भी नहीं कहना चाहते। मौर्य ने यादव को उनकी पार्टी पर ध्यान देने की सलाह देते हुए कहा, समाजवादी पार्टी का 2024 के लोकसभा चुनाव में सफाया हो ही जाएगा।

जयराम रमेश ने सीबीआई चीफ को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेटिगेशन चीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा का जिक्र किया है। चिट्ठी में जयराम रमेश ने लिखा कि वह अमित शाह को तलब करके पूछें कि उन्होंने किस आधार पर मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा को भ्रष्ट बताया? कांग्रेस सांसद ने सीबीआई चीफ से इस मामले की जांच की मांग भी की। जयराम रमेश ने लिखा, मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि 17 फरवरी 2023 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी एक सार्वजनिक सभा में कहा था कि तत्कालीन मेघालय सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। अमित शाह भारत सरकार में गृह मंत्री हैं, ऐसे में वह सूचना और तथ्य उनके पास अवश्य रहे होंगे जिनके आधार पर वह ऐसे निष्कर्ष तक पहुंचे होंगे। कुछ ऐसे कारण रहे होंगे कि अमित शाह तत्कालीन मेघालय सरकार के भ्रष्ट आचरण और गतिविधियों के संदर्भ में कदम उठाने में विफल रहे।

दिल्ली में पोस्टर विवाद के बीच अरविंद केजरीवाल का सवाल

नईदिल्ली। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए थे। इस मामले को लेकर दिल्ली पुलिस की ओर से कार्रवाई भी की गई है। इसको लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। दरअसल, आम आदमी पार्टी समर्थकों के खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है। इनपर कथित तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक पोस्टर लगाने के आरोप हैं। दिल्ली के सीएम ने प्रेस ब्रीफिंग में पोस्टर विवाद पर तंज कसते हुए कहा, पीएम मोदी इतने डरे हुए क्यों हैं? वह इतने असुरक्षित क्यों हैं? यह एक सामान्य पोस्टर है, लोकतंत्र में कोई भी इस तरह के पोस्टर लगा सकता है। दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर पोस्टर लगाए गए थे। पोस्टर पर मोदी हटाओ, देश बचाओ लिखा था।

चार साल पुराने मानहानि केस में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दोषी करार

राहुल गांधी को कोर्ट ने दो साल की सुनाई सजा

सूरत। मोदी सरनेम पर विवादित बयान को लेकर सूरत कोर्ट में गुरुवार को राहुल गांधी पेश हुए। सुनवाई के बाद कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार दिया हैं। इस मामले में राहुल गांधी को कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई हैं। सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चेलेंज देने के लिए जमानत की अपील की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और राहुल गांधी को 30 दिनों की जमानत दे दी गयी हैं। ये मामला चार साल पुराना है। केस की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी कोर्ट में मौजूद थे। इससे पहले वह कोर्ट में तीन बार पेश हो चुके हैं। सूरत की एक अदालत 'मोदी उपनाम' संबंधी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज किए गए एक आपराधिक मानहानि मामले में फैसला सुनाया है और कांग्रेस नेता को दोषी करार दिया हैं।

गुजरात के सूरत शहर की एक अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके कथित मोदी सरनेम वाले बयान को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी ठहराया। कोर्ट ने उन्हें 2 साल की सजा सुनाई। राहुल गांधी को आईपीसी की धारा 504 के तहत दोषी ठहराया गया है। इस धारा के तहत अधिकतम संभावित सजा दो साल है। राहुल गांधी के खिलाफ उनके कथित आरोप के लिए मामला दर्ज किया गया था कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी की शिकायत पर टिप्पणी शिकायतकर्ता ने दावा किया कि विवादास्पद टिप्पणी 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में एक रैली में की गई थी, जिसने पूरे मोदी समुदाय को बदनाम किया था।

कांग्रेस ने गुरुवार को राहुल गांधी के समर्थन में पोस्टर लगाए। पोस्टर सूरत कोर्ट के बाहर लगाए गए थे, जहां कांग्रेस सांसद अदालत की कार्यवाही के लिए पहुंचे थे। भगत सिंह और सुखदेव की तस्वीरों के साथ पोस्टरों में लिखा था, चलो लोकतंत्र के समर्थन में सूरत चलते हैं।

क्या था पूरा मामला

राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला उनकी उस टिप्पणी को लेकर दर्ज किया गया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था, "क्यों सभी चोरों का समान उपनाम मोदी ही होता है?" राहुल गांधी की इस टिप्पणी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने शिकायत दर्ज कराई थी। वायनाड से लोकसभा सदस्य गांधी ने यह कथित टिप्पणी 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में की थी। राहुल गांधी के वकील किरीट पानवाला ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एच एच वर्मा की अदालत ने पिछले सप्ताह दोनों पक्षों की दलीलों की अंतिम सुनवाई की थी और फैसला सुनाने के लिए 23 मार्च की तारीख तय की थी। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत दर्ज किया गया था। राहुल गांधी अपना बयान दर्ज कराने के लिए अक्टूबर 2021 में सूरत की अदालत में पेश हुए थे।

नेताओं की प्रतिक्रियाएं

अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राहुल को जमानत मिल गई है। हम शुरू से जानते हैं कि वे जज बदलते रहे। हम कानून और न्यायपालिका में भरोसा रखते हैं और हम कानून के मुताबिक इसके खिलाफ लड़ेंगे। – **मल्लिकार्जुन खड़गे**

कांग्रेस महासचिव ने अपने ट्वीट में प्रतिक्रिया देते हुए कहा, डरी हुई सत्ता की पूरी मशीनरी साम, दाम, दंड, भेद लगाकर राहुल गांधी की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। मेरे भाई न कभी डरे हैं, न कभी डरेंगे। सच बोलते हुए जिये हैं, सच बोलते रहेंगे। देश के लोगों की आवाज उठाते रहेंगे। सच्चाई की ताकत व करोड़ों देशवासियों का प्यार उनके साथ है। – **प्रियंका गांधी वाड्रा**

हम कहते रहे हैं कि हमारा लोकतंत्र खतरे में है, क्योंकि न्यायपालिका, चुनाव आयोग, ईडी पर दबाव है और उन सभी का दुरुपयोग किया जा रहा है। सभी फैसले प्रभाव में लिए जाते हैं। इस तरह की टिप्पणियां आम हैं..राहुल गांधी एक साहसी व्यक्ति हैं और केवल वही एनडीए सरकार के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।
–**अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री**

गैर बीजेपी नेताओं और पार्टियों पर मुकदमे करके उन्हें खत्म करने की साजिश हो रही है। हमारे कांग्रेस से मतभेद हैं, मगर राहुल गांधी को इस तरह मानहानि मुकदमे में फंसाना ठीक नहीं। जनता और विपक्ष का काम है सवाल पूछना। हम अदालत का सम्मान करते हैं, पर इस निर्णय से असहमत हैं। – **अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री**

भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के प्रमुख ने अपने ट्वीट में कहा, अदालत से माफी की जगह, सजा को हंसते हंसते गले लगाया, राहुल गांधी ने अपना फर्ज निभाया..तानाशाह के खिलाफ जंग जारी है। इंकलाब जिंदाबाद।
– **श्रीनिवास बीवी**

इस खूबसूरत देश को बर्बाद होने से रोकने की लड़ाई आसान नहीं है। यह ना कल शुरू हुई है और ना ही कल खत्म हो जाएगी। जॉन एलिया कहते हैं-'ये तो बस सर ही मांगता है मियां, इश्क पर कर्बला का साया है' राहुल गांधी को हिंदुस्तान से इश्क है। वो सवाल उठाता रहेगा।
–**पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता**

डिस्टोर्ट, डिफेम, डाइवर्ट- थ्रीडी। ये मैं प्रधानमंत्री की भाषा इस्तेमाल कर रहा हूं। उन्होंने राहुल गांधी के बयानों को डिस्टोर्ट (तोड़-मरोड़कर पेश करना) किया। उन्हें डिफेम (बदनाम करना) करने की कोशिश की और अब अडानी के मामले से डायवर्ट (ध्यान भटकाना) करना चाहते हैं। – **जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव**

राहुल गांधी तानाशाही के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उनके पास यह कहने का साहस है कि जो गलत है वह गलत है। अत्याचारी इस साहस से घबराया हुआ है। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। – **रेवंत रेड्डी, कांग्रेस सांसद**

राहुल गांधी जो भी बोलते हैं उससे नुकसान ही होता है। केंद्रीय कानून मंत्री ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी जो भी बोलते हैं उससे उनकी पार्टी और देश को नुकसान ही होता है। उन्होंने कहा कि मुझसे कांग्रेस के कई नेता बोलते हैं कि राहुल गांधी का जो रवैया है उसके चलते उनकी पार्टी डूब रही है। – **किरेन रिजिजू**

लोकतांत्रिक संस्था का अनादर करते हैं राहुल गांधी

राहुल को वंशवादी मानसिकता से बाहर आना चाहिए : पीयूष गोयल

नईदिल्ली। मानहानी के मामले में सूरत की अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई। हालांकि, राहुल की जमानत याचिका भी मंजूर कर ली गई। फिलहाल पूरे मामले को लेकर कांग्रेस केंद्र सरकार पर हमलवार है। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री और नेता राज्यसभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। पीयूष गोयल ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी हर लोकतांत्रिक संस्था की अवहेलना और अनादर करते हैं, चाहे वह संसद हो या न्यायपालिका। उन्होंने कहा कि उन्हें इस वंशवादी मानसिकता से बाहर आना चाहिए और यह महसूस करना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति देश से बड़ा नहीं है, भारत के लोगों से बड़ा नहीं है, भारत के संविधान से बड़ा नहीं है और किसी को भी खुद को कानून से ऊपर नहीं समझना चाहिए।

भाजपा नेता ने कहा कि इस देश में हमारे पास उच्च सत्यनिष्ठा वाली संस्थाएं हैं जिनके कामकाज पर कभी किसी ने सवाल नहीं उठाया। दुर्भाग्य से, राहुल गांधी ने कभी भी उच्च संवैधानिक कार्यालयों का सम्मान नहीं किया, जिसमें उनके अपने पीएम डॉ. मनमोहन सिंह का कार्यालय भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आपको याद है कि उन्होंने तत्कालीन यूपीए सरकार पर कैसे हमला किया था और तत्कालीन पीएम डॉ मनमोहन सिंह की अध्यक्षता वाली पूरी कैबिनेट द्वारा लिए गए एक वैध निर्णय को फाड़ दिया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी से आग्रह करूंगा कि अगर वह सत्य और प्रेम की राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसा कि वे दावा करते हैं, तो उन्हें इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि आज पीएम नरेंद्र मोदी भारत और दुनिया भर में सबसे प्यारे, प्रशंसित और सबसे भरोसेमंद नेता हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि मुझे लगता है कि राहुल गांधी को अपने गैर-जिम्मेदाराना, अपमानजनक बयानों की श्रृंखला के लिए भारत के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

शब्दों की चोट शस्त्रों की चोट से ज्यादा गहरी होती है : राजनाथ

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ कथित मोदी सरनेम टिप्पणी में दायर आपराधिक मानहानि मामले में दोषी पाए जाने के बाद राजनीतक दलों की ओर से प्रतिक्रिया सामने आ रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल जी को इस सच्चाई को स्वीकार करना चाहिए। शब्दों की चोट शस्त्रों की चोट से ज्यादा गहरी और पीड़ादायक होती है और शब्द जब अनर्गल और झूठे हों तब चोट और भी गहरी और कष्टदायक हो जाती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस न्यायिक आदेश से सीख लेते हुए हम सभी को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन में शब्दों की मर्यादा किसी भी स्थिति में टूटने न पाए। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने इस पर प्रतिक्रिया देत हुए कहा कि जैसा बीज बोएंगे वैसा ही पौधा निकलेगा, मनमोहन सिंह और शरद यादव व अन्य ने मिलकर कानून में संशोधन किया था जिसमें 2 साल नहीं बल्कि 5 साल की अगर सज़ा हो तब संसद की सदस्यता खत्म होनी चाहिए और इन्होंने उस बिल को जनता के सामने फाड़ा था।

खेल
प्रमुख समाचार

31 मार्च से होगा आईपीएल का आगाज

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2023) के 16वें सीजन की शुरुआत होने में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त बचा है। 31 मार्च से लीग का धमाकेदार आगाज होने जा रहा है। सीजन का पहला मैच में गत चैंपियन गुजरात टाइटंस और चार बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। क्रिकेट फैंस इस रोमांचक टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आईपीएल 2023 का पहला मुकाबला 31 मार्च होगा और आखिरी लीग मैच 21 मई को खेला जायेगा। इस दौरान कुल 12 जगहों पर कुल 70 लीग मैच खेले जाएंगे। इसमें 18 डबल हेडर शामिल होंगे। इस बार 7+7 के फॉर्मूले पर मैच होंगे। यानी टीम अपने होम ग्राउंड पर 7 मैच और विपक्षी टीम के यहां 7 मैच खेलेगी। आईपीएल के 16वें सीजन के सभी मैच भारत के 12 अलग-अलग स्टेडियम में खेले जाएंगे। जिसमें अहमदाबाद, मोहाली, लखनऊ, हैदाराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, जयपुर, मुंबई, गुवाहाटी, धर्मशाला के स्टेडियम शामिल है।

टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है

सभी 10 टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल और लखनऊ सुपर जायंट्स हैं जबकि ग्रुप बी में चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स को रखा गया हैं।

आईपीएल 2023 सीजन के मैच दोपहर 3 ।30 बजे और शाम 7 ।30 बजे से खेले जाएंगे। इस लीग के सभी मैचों को आप स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनल्स पर देख सकते हैं। वहीं, इसके डिजिटल राइट्स वायकॉम 18 के पास हैं, जहां इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 289 प्वाइंट टूटा निफ्टी 17100 के नीचे

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन पिछले दो दिनों की बढ़त गंवाकर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 289.31 (-0.50%) अंक टूटकर 57,925.28 अंकों पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 75.00 (-0.44%) अंकों की गिरावट के साथ 17,076.90 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार के ट्रेडिंग सेशन के दौरान अदाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में 5 प्रतिशत की बढ़त जबकि एचएएल के शेयरों में 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार के दिन बाजार की बिकवाली के जिम्मेदार बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयर रहे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सबसे ज्यादा गिरावट दिखी। वहीं दूसरी ओर मेटल, एफएमसीजी और फार्मा सेक्टर के शेयर हरे निशान पर कारोबार करते हुए बंद हुए।

अदाणी पॉवर को फिर शॉर्ट टर्म निगरानी में रखेंगे बीएसई, एनएसई

नईदिल्ली। शेयर बाजार एनएसई और बीएसई ने कहा कि अदाणी पॉवर को 23 मार्च से अल्पकालिक अतिरिक्त निगरानी कदम के दायरे में रखा गया। शेयर बाजारों के परिपत्रों में यह जानकारी दी गई। इससे पहले, एनएसई और बीएसई ने अदाणी समूह की दो कंपनियों- अदाणी ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी के शेयरों को सोमवार से दीर्घकालिक अतिरिक्त निगरानी कदम ढांचा के पहले चरण से बाहर रखने का निर्णय लिया था। दोनों शेयर बाजारों ने अदाणी पॉवर के साथ अडाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी विल्मर को आठ मार्च को अल्पकालिक एएसएम के तहत रखा था, हालांकि 17 मार्च को तीनों को निगरानी के दायरे से बाहर कर दिया गया था। बुधवार को अदाणी समूह की दस सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ लाभ के साथ बंद हुए थे।

पिछले साल यूपीआई से 125 करोड़ से अधिक का लेनदेन हुई

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने संसद में बताया है कि वित्तीय वषर्र 2022-23 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिए 125 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ है। इस दौरान 95 हजार से ज्यादा लोग धोखाधड़ी के शिकार भी हुए हैं। चिंता की बात ये है कि धोखाधड़ी के शिकार होने वालों की संख्या पिछले तीन साल से बढ़ती जा रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2020-21 में 77 हजार और 2021-22 में 84 हजार लोग यूपीआई से लेनदेन के दौरान धोखाधड़ी के शिकार हुए थे। संसद में आंकड़ो को पेश करते हुए केंद्र सरकार ने बताया कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल 125 करोड़ से अधिक का यूपीआई लेनदेन पूरा किया गया था, जो पिछले तीन वर्षों से अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली को भी वैश्विक स्वीकृति मिली है। सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नेपाल और भूटान जैसे देशों ने भी इसे अपना लिया है।

एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा की कमजोरी चिंताजनक : मूडीज

नई दिल्ली। मूडीज एनालिटिक्स ने एशिया में उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को लेकर बड़ा दावा किया है। मूडीज का कहना है कि एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्राओं में कमजोरी का जोखिम चिंताजनक है। सबसे ज्यादा खतरा भारत पर है। अगर रुपया और अन्य मुद्राएं ऐसे ही कमजोर होती रहीं तो इसका खासा असर तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। मूडीज के अनुसार, रुपये की कमजोरी के चलते एशिया की सबसे अच्छी प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। भारतीय रुपया लगभग एक साल से अस्थिर था और प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से कई नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया।

सुरक्षित हैं भारतीय बैंक, नियामक व्यवस्था से बरकरार है विश्वास

अजय बग्गा

पिछले दो हफ्तों में अमेरिका और यूरोपीय बैंकों में काफी तनाव देखा गया है। पिछले एक पखवाड़े की खबरों और बाजार की भावनाओं के उतार-चढ़ाव ने बैंक जमाकर्ताओं और निवेशकों, दोनों के मन में भारी अनिश्चितता पैदा कर दी है।

सबसे पहले अमेरिका में सिल्वरगेट कैपिटल से परेशान करने वाले संकेत मिले। इसे बंद कर दिया गया। फिर कैलिफोर्निया स्थित सिलिकॉन वैली बैंक विफल हो गया और इसकी पूर्व मूल कंपनी ने खुद को दिवालिया घोषित कर दिया। नियामकों ने न्यूयॉर्क के सिग्नेचर बैंक को बंद कर दिया। क्रेडिट सुइस बैंक के शेयरों के सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंचने के बाद स्विस नेशनल बैंक ने उसे जीवनदान दिया। अमेरिकी बैंकिंग दिग्गजों ने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक में 30 अरब डॉलर डाले। यह एक अन्य क्षेत्रीय अमेरिकी बैंक है, जिसने 70 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की जमाराशि वापस निकाली है। पिछले सप्ताहांत में स्विस सरकार और बैंकिंग नियामकों ने यूबीएस के साथ क्रेडिट सुइस को विलय के लिए मजबूर कर दिया। और यह सब लगभग 10 दिनों के भीतर हुआ। अमेरिकी बैंकों को कुल 620 अरब डॉलर अप्राप्त घाटा होने का अनुमान है।

इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में भारतीय जमाकर्ता और निवेशक पूछ रहे हैं कि क्या भारतीय बैंक सुरक्षित हैं? इसका संक्षिप्त उत्तर है-हां। भारतीय बैंक सुरक्षित हैं। इसके पांच प्रमुख कारण हैं-पहला कारण है कि भारत में मजबूत नियामक तंत्र है, जिसके तहत पिछले खराब ऋण संकट के बाद आरबीआई ने भारतीय बैंकों की बारीकी से निगरानी के लिए रूढ़िवादी उपाय किए हैं। दूसरा कारण है कि भारतीय बैंकों की जमा में खुदरा जमा का बड़ा हिस्सा है।

ये भारत में जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम द्वारा प्रदान किए गए पांच लाख रुपये के जमा बीमा के तहत बीमाकृत हैं। इसलिए ये जमाकर्ता बैंक के विफल होने पर भी जमाराशि नहीं निकालेंगे, क्योंकि उन्हें पांच लाख रुपये के बीमा कवरेज से अपनी जमा राशि वापस मिलने का आश्वासन दिया गया है। इससे भारतीय बैंकों की बैलेंस शीट को काफी मजबूती मिलती है। तीसरा, भारतीय बैंकों में एसेट लायबिलिटी मैच्योरिटी (एएलएम) गैप बहुत कम है। इसका मतलब यह है कि भारतीय बैंक बारीकी से निगरानी करते हैं कि वे अपने ऋण और निवेश को कैसे वित्त पोषित कर रहे हैं और उनकी जमा राशि, उनके ऋण और उनके निवेश की परिपक्वता क्या है। एक वर्ष से कम जमा बनाम एक वर्ष से कम धन का ऋण या निवेश में उपयोग की निगरानी यह सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि एएलएम से संबंधित कोई समस्या नहीं है, जिससे बैंकों को नुकसान हो सकता है। चौथा, भले ही पिछले साल से जारी रिजर्व बैंक की दरों में वृद्धि के कारण ब्याज दरों में 2.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, पर भारतीय बैंकों की बॉन्ड होल्डिंग्स अपेक्षाकृत छोटी है, जो उनकी कुल संपत्ति के लगभग 18 फीसदी एसएलआर होल्डिंग्स तक सीमित है। इसका मतलब है कि, अमेरिकी बैंकों की बैलेंस शीट में भारी घाटे के विपरीत, भारतीय बैंकों को दरों में बढ़ोतरी के कारण बहुत कम नुकसान होता है। यह जमाकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान करता है कि कोई छिपा हुआ, अप्राप्त नुकसान नहीं है, जो इन बैंकों को विफल कर सकता है। भारत की घरेलू बैंकिंग प्रणाली अपनी अंतर्निहित ताकत और रिजर्व बैंक के सख्त विनियमन के कारण अछूती रहती है। भारतीय बैंकों की ताकत का पांचवां कारण यह है कि खराब ऋण अनुपात, जिसे गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) कहा जाता है, ऋण के पांच फीसदी तक नीचे आ गया है। पिछले कुछ वर्षों से उच्च जोखिम या कम रेटिंग वाली संस्थाओं का जोखिम कम हो रहा है। खराब ऋणों के लिए प्रावधान बनाए गए हैं और इन्सोल्वेंसी ऐंड बैंकरप्सी कोड प्रक्रिया के जरिये बैंकों का ऋण न चुकाने वाले उधारकर्ताओं के खिलाफ दिवालियापन प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया जाता है। कुल मिलाकर, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र सुरक्षित है। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में अर्थव्यवस्था की धीमी गति के कारण ऋण वृद्धि और मुनाफा मौजूदा स्तरों से थोड़ा कम होने की आशंका है, फिर भी भारतीय बैंक स्वस्थ बने रहेंगे। परिसंपत्ति गुणवत्ता संबंधी चिंताएं कम हुई हैं।

लक्ष्य 70 सीटों के पार, लेकिन नयी टीम नहीं है तैयार

अनिल सिंह

केंद्र में सरकार बनाने वाले किसी भी दल के लिये यूपी सबसे महत्वपूर्ण राज्य है, क्योंकि यहां लोकसभा की 80 सीटें हैं। यहां सर्वाधिक सीटें पाने वाला दल सत्ता के करीब पहुंच जाता है, लेकिन बीते दो चुनाव से सर्वाधिक सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर उतनी गंभीर नहीं दिख रही है। टीम की घोषणा ना होने से भाजपा कार्यकर्ता भी निराश हैं। कई कार्यकर्ता संगठन में समायोजित होने के लिए लखनऊ से दिल्ली तक नेताओं की परिक्रमा कर रहे हैं। क्षेत्र में उनकी सक्रियता बेहद कम है। उम्मीद जताई जा रही थी कि निकाय चुनाव टल जाने के बाद भूपेंद्र सिंह चौधरी अपनी नई टीम घोषित कर देंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर संगठन में फेरबदल किया जायेगा। जातीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए मात्र चालीस फीसदी बदलाव की उम्मीद है। समाजवादी पार्टी की रणनीति को देखते हुए नई टीम में पिछड़े एवं दलित नेताओं को प्रमुखता दिये जाने की संभावना है। जिला एवं मंडल स्तर भी बदलाव होंगे, जिनमें स्थानीय समीकरण का ध्यान रखा जायेगा। मुख्य विपक्षी दल सपा भी आक्रामक रणनीति अपनाते हुए बिहार की तर्ज पर जातीय जनगणना की मांग तेज कर रही है, लिहाजा भाजपा अपने पिछड़े वोटरों को साधे रखने के लिये यूपी की टीम में ज्यादा से ज्यादा पिछड़े एवं दलित नेताओं को वरीयता देने जा रही है। मीडिया टीम में भी इस बार जातीय समीकरण का ख्याल रखा जायेगा, जिसे पिछली बार नजरंदाज कर दिया गया था। पुरानी टीम के कई चेहरों का कद और पद बदले जाने के साथ कुछ लोगों को बाहर भी किया जायेगा। बीते दिनों लखनऊ एवं दिल्ली में संगठन एवं सरकार के शीर्ष नेतृत्व में संगठन में बदलाव को लेकर कई दौर की मीटिंग हो चुकी है। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल के बीच ज्यादातर नये चेहरों को लेकर सहमति बन चुकी है। खबर है कि एक दो चेहरों को लेकर लखनऊ और दिल्ली के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। एक व्यक्ति एक पद के भाजपा के सिद्धांत के आधार पर पुरानी टीम से तीन पदाधिकारियों की संगठन से विदाई तय है। प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह, अरविंद कुमार शर्मा तथा प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर योगी मंत्रिमंडल में मंत्री हैं। इनका संगठन से बाहर होना तय है। पार्टी संगठन में लंबे समय से वरिष्ठ नेताओं के आशीर्वाद से विभिन्न पदों पर काबिज चेहरों को भी इस बार विदा किये जाने की तैयारी है। इनकी जगह नये चेहरों को मौका दिया जा सकता है। भाजपा के सात मोर्चों में भी बदलाव किया जायेगा। मोर्चा के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा रहे कुछ नेताओं को मुख्य टीम में शामिल किये जाने की बात भी सामने आ रही है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी विधान परिषद सदस्य चुने जा चुके हैं। उम्र के लिहाज से भी प्रांशु युवा मोर्चा के समीकरण में फिट नहीं हैं, इसलिए उनका बाहर होना तय है। प्रांशुदत्त को यूपी की टीम में कोई पद दिया जा सकता है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप भी राज्य सरकार में राज्य मंत्री हैं, इनका हटना भी तय है। मैनपुरी से ताल्लुक रखने वाली यूपी भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य को पार्टी ने राज्य सभा भेज दिया है। गीता शाक्य के जरिये पिछड़े एवं महिलाओं को साधने का प्रयास पार्टी ने किया था, लेकिन मैनपुरी उपचुनाव में अपेक्षित लाभ नहीं मिलने पर इनका पत्ता कटना तय है। इनके कहीं और समायोजित होने की संभावना भी कम है। महिला मोर्चा की जिम्मेदारी अब किसी दमदार एवं मजबूत पिछड़े चेहरे को दिये जाने की संभावना है। दूसरी तरफ, पार्टी अपने सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों को भी बदलने की तैयारी में है।

मेनका और वरूण गांधी के सुर बदलने लगे

अजय कुमार

भारतीय जनता पार्टी में इस समय गांधी परिवार के दो सदस्यों मेनका गांधी और वरूण गांधी की काफी चर्चा हो रही है। दोनों लम्बे समय से बीजेपी में हैं और जनता की कसौटी पर खरा उतरते हुए चुनाव भी जीतते रहे हैं। मेनका गांधी सुलतानपुर से तो वरूण गांधी पीलीभीत से सांसद हैं। यह लोग यूपी से तब से सांसद चुने जाते रहे हैं, जब बीजेपी की स्थिति यहां (यूपी में) ज्यादा अच्छी नहीं हुआ करती थी। मोदी का तो केन्द्र की राजनीति में उदय तक नहीं हुआ था। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि मेनका-वरूण गांधी द्वारा अन्य लोकसभा उम्मीदवारों की तरह चुनाव जीतने के लिए मोदी के नाम का कोई खास सहारा लिया जाता है। दोनों की अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में अच्छी पकड़ है, लेकिन जब इन नेताओं की बीजेपी के प्रति वफादारी की बात होती है तो यह इस कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। इसकी कोई बहुत बड़ी वजह नहीं है, लेकिन जो वजह है उसे अनदेखा भी नहीं किया जा सकता है। इस बात का अहसास मेनका और वरूण गांधी को भी है। दरअसल, मेनका और वरूण गांधी को भारतीय जनता पार्टी में उनकी काबलियत को देखते हुए इंट्री या तवज्जो नहीं दी गई थी, बल्कि बीजेपी में इनको आगे बढ़ाने की वजह इन दोनों नेताओं का गांधी परिवार से जुड़ा होना था।

यह जगजाहिर था कि मेनका गांधी और सोनिया गांधी में हमेशा छत्तीस का आंकड़ा रहता था। बीजेपी को उम्मीद थी कि मेनका और वरूण गांधी को आगे करके वह देश की सियासत में दूसरे 'गांधी परिवार' (सोनिया और राहुल गांधी) की जड़ें कमजोर कर सकेंगे, जिनके सहारे कांग्रेस न केवल 'इतराया' करती है बल्कि गांधी परिवार के सहारे कांग्रेस चुनावी वैतरणी भी पार करने में सफल होती रहती

है। कुल मिलाकर बीजेपी ने गांधी बनाम गांधी का खाका खींच रखा था, जिसे वह (बीजेपी) मेनका-वरूण गांधी के सहारे सियासी धरातल पर उतारना चाहती थी, लेकिन मेनका और खासकर वरूण गांधी थे कि चुनाव तो बीजेपी के सिम्बल से लगातार जीतते जा रहे हैं, लेकिन सोनिया-राहुल और प्रियंका के खिलाफ मौके-बेमौके कभी भी मुंह नहीं खोलते हैं। सोनिया-राहुल तो दूर यह लोग कांग्रेस के खिलाफ भी चुप्पी साधे रहते हैं।

बात यहीं तक सीमित नहीं है, बीजेपी के रणनीतिकारों को इस बात का भी गुस्सा है कि वरूण गांधी कांग्रेस और सोनिया-राहुल-प्रियंका वाड्रा के साथ अपने राजनैतिक रिश्ते सुधारने में भी लगे रहते हैं। उधर, बीजेपी के लीडर कहते हैं कि हमें इस बात से कोई शिकायत नहीं है कि पारिवारिक तौर पर पूरा गांधी परिवार एकजुट रहे, लेकिन जब बात सियासत की आती है तो बीजेपी में रहते हुए मेनका-वरूण गांधी परिवार के नाम पर बीजेपी से सियासी बैर नहीं कर सकते हैं। यदि वह बीजेपी में हैं तो उनको बीजेपी की विचारधारा के अनुसार चलना भी होगा और इसे आगे भी ले जाना होगा, इसके लिए यदि कांग्रेस के गांधी परिवार के खिलाफ मोर्चा खोलने की जरूरत पड़े तो मेनका-वरूण विचारधारा से ऊपर पारिवारिक रिश्ते को महत्व देते हुए चुप नहीं रह सकते हैं। बस यही एक वजह है जिस पर मेनका और वरूण गांधी खरे नहीं उतर रहे हैं, जिसके चलते यहां तक कहा जाने लगा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी द्वारा मेनका और विशेषकर वरूण गांधी की उम्मीदवारी के लिए गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए दोनों का या फिर कम से कम वरूण गांधी का तो टिकट काटा ही जा सकता है। मेनका गांधी को भी सुलतानपुर संसदीय सीट की जगह किसी अन्य चुनौती पूर्ण सीट पर उतारा जा सकता है। क्योंकि सुलतानपुर में मेनका गांधी के कामकाज से वहां जनता खुश नजर नहीं आ रही है। पार्टी के भीतर भी मेनका गांधी के कामकाज के तरीके का काफी विरोध हो रहा है।

बहरहाल, मेनका और वरूण गांधी को भी इस बात का अहसास हो गया है कि आलाकमान उनके कामकाज और तौर-तरीके से खुश नहीं है। कहा जा रहा है आलाकमान की नाराजगी से बचने के लिए ही पीलीभीत के सांसद वरूण गांधी ने कांग्रेस सांसद और अपने चचेरे भाई राहुल गांधी के विदेश में भारत की छवि खराब करने वाले बयान की निंदा की थी। इतना ही नहीं अक्सर अपनी ही पार्टी के खिलाफ बयानबाजी को लेकर सुर्खियों में रहने वाले वरूण गांधी के कई मोर्चो पर सुर कुछ बदले-बदले नजर आ रहे हैं। अब उन्होंने बीजेपी के खिलाफ बयानबाजी और ट्वीट करना बंद कर दिया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सुल्तानपुर से सांसद मां मेनका गांधी के बीजेपी को लेकर दिए गए बयान के बाद पीलीभीत लोकसभा सीट को लेकर चल रही अटकलें साफ हो गई हैं, जिसकी बानगी वरूण गांधी के पीलीभीत के कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर पर भी दिखने लगी है, जिनमें अब फिर से बीजेपी के वरिष्ठ नेता दिखने लगे हैं।

दूसरी तरफ वरूण गांधी अपने पीलीभीत दौरे के दौरान जनसंवाद कार्यक्रमों में भी सफाई देते घूम रहे हैं। पीलीभीत के भाजपा नेतृत्व की मानें तो 40 सालों से पीलीभीत में राजनीति करने वाले गांधी परिवार से मेनका और वरूण गांधी इसे अपनी परिवार की कर्मभूमि मानते हैं। वहीं मेनका गांधी ने भी पिछले दिनों कहा था कि वो हमेशा बीजेपी में ही रहेंगी। वरूण गांधी ने कहा कि मेरी रगों में पीलीभीत दौड़ता है जब तक मेरी माँ और मैं हूं आपकी आवाज उठाने के लिए हूं। उन्होंने कहा कि मैंने अपना नंबर इसीलिए दिया है कि आपको बाकी नेताओ से मांगना पड़ेगा, लेकिन आप मुझसे हक से मांगें। वहीं, एक तरफ जहां पिछले कई दिनों से वरूण गांधी के बीजेपी के प्रति सुर बदले हैं तो वहीं दूसरी तरफ काफी समय से उनका कोई ट्वीट भी नहीं आया है। इससे साफ है कि वरूण और बीजेपी के बीच की फांस खत्म हो गई है। ऐसे में 2024 के लिए रास्ता साफ होता नजर आ रहा है।

प्रसंग — सो ब्राह्मण जो ब्रह्म पिछाने

पण्डित ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के पास एक बार नवद्वीप का एक कट्टर ब्राह्मण उन्होंने विद्यासागरजी के पास जब बहुत से ब्राह्मणेतर लोगों को देखा, तो नाक- सिकोड़ी। उन्हें इस बात का भी गुस्सा आया कि उनमें से किसी ने भी उनको प्रणाम किया। उन लोगों को नसीहत देने के उद्देश्य से वे बोले, आजकल जमाना भी किय बदल गया है। देखो न, अब्राह्मण लोग भी अब ब्राह्मणों को देखकर प्रणाम नहीं करते इस तथ्य को भुलाने की चेष्टा कर रहे हैं कि ब्राह्मण वर्ण चारों वर्णों में सर्वश्रेष्ठ है। शर उन्हें यह मालूम नहीं कि ब्राह्मणों ने वेद-पुराणों और शास्त्रों की रचना कर समाज औ राष्ट्र का कितना बड़ा कल्याण किया है।

यह सुनकर विद्यासागरजी को बुरा लगा, किन्तु हँसते हुए उन्होंने कहा, पण्डि

मालूम होता है, आपको अपने ब्राह्मण होने का बड़ा गर्व है, लेकिन आप यह तो जानते ही

होंगे कि भगवान् विष्णु ने दशावतार में एक वराह का भी अवतार धारण किया था। तब क्या हमें डोम बस्ती में जितने भी सूअर दिखायी देंगे, उनके प्रति श्रद्धावनत हो भक्तिभाव से प्रणाम करना चाहिए ?पण्डितजी को काटो तो खून नहीं, वे जान गये कि यहाँ दाल नहीं गलनेवाली है और

वे पैर पटकते हुए गुस्से के मारे वहाँ से चल दिये।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

2003 तपेदिक की रोकथाम के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने और इसके नियंत्रण के प्रयासों को जारी रखने के लिए दुनिया भर में विश्व क्षय रोग दिवस मनाया गया।
2007 ऑस्ट्रेलियन लेबर पार्टी को न्यू साउथ वेल्स राज्य के चुनाव के बाद फिर से स्थापित किया गया।
2008 पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता युसुफ़ रजा गिलानी को पाकिस्तान का नया प्रधानमंत्री चुना गया।
2008 भूटान में यह पहला आम चुनाव है।
2008 भूटान पीस एंड प्रॉस्पेरिटी पार्टी, जिग्मे थिनले के नेतृत्व में, भूटान की नेशनल असेंबली में पहली बार हुए आम चुनाव में 47 में से 45 सीटें जीतीं।
2011 केन्या ने अफ्रीका कार्बन एक्सचेंज खोला। यह अफ्रीका में पहला कार्बन एक्सचेंज है। इसे कार्बन क्रेडिट एक्सचेंज के लिए खोला गया है।
2012 ईवो मोरालेस, राष्ट्रपति बोलीविया की संपत्ति है कि बोलीविया और चिली के बीच सीमा के विवाद को हल करने के लिए नीदरलैंड के हेग में उनके पास अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय होगा।
2013 पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य चौकी पर हुये आत्मघाती हमले में 17 सैनिक मारे गये।
2014 डिज़्नी ने घोषणा की है कि वह 450 मिलियन के अतिरिक्त भुगतान के साथ 500 मिलियन में मेकर स्टूडियोज खरीदेगा यदि यह कुछ निश्चित प्रदर्शन लक्ष्यों को पूरा कर सकता है। डिज़्नी ऑनलाइन वीडियो बेचने वाले मीडिया ट्रॉफ़ के लिए मार्केटिंग आउटलेट का विस्तार कर सकती है।
2015 जर्मनविंग्स फ्लाइट 9525 के सह-पायलट ने जानबूझकर विमान को फ्रांसीसी आल्प्स में सामूहिक हत्या-आत्महत्या कर लिया, जिससे सभी 150 लोग मारे गए।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

याज्ञवल्क्यापनिषद् (भाग-02)

गतांक से आगे...

इस यज्ञ द्वारा प्राण का ही पोषण होता है या सत, रज, तम त्रिधातुओं से सम्बन्धित यजन करे। तब इस मंत्र से अग्नि का आघ्राण करे हे अग्निदेव! जिस मूल कारण से आप प्रादुर्भूत होकर प्रकाशित हो रहे हैं, उसको जानते हुए आप खूब प्रज्वलित हों एवं हमारे ऐश्वर्य को बढ़ाएँ।% यही अग्नि का मूल कारण है यही प्राण है। अतः हे अग्निदेव! आप अपने योनि रूप प्राण में प्रतिष्ठित हो जाएँ।

ग्राम (गाँव) से अग्नि को लाकर पूर्व की भाँति ही उसका आघ्राण करे। यदि अग्नि न मिल सके, तो जल में ही यजन कृत्य सम्पन्न करे; क्योंकि जल को सर्वदेवमय कहा गया है। मैं सभी देवों के प्रति हवन करता हूँ, स्वाहा यह आहुति उन्हें प्राप्त हो। इस प्रकार हवन करके उसका प्राशन करे अर्थात् उसे खा ले। यह रोगनाशक घृतयुक्त हवि है। मोक्ष मंत्रों के द्वारा इस तरह से वेदत्रयी की प्राप्ति करे। वह ही ब्रह्म है, उसकी उपासना करनी चाहिए। चोटी एवं यज्ञोपवीत का परित्याग करके मैंने संन्यास ग्रहण कर लिया है, %इस प्रकार से इसका तीन बार उच्चारण करे। हे विदेहराज जनक जी! यह विधि ऐसी ही है, ऐसा याज्ञवल्क्य ने कहा। इसके पश्चात् याज्ञवल्क्य जी से अत्रि ऋषि ने पूछा- हे महर्षे! यज्ञोपवीत के बिना कोई ब्राह्मण कैसे रह सकता है? याज्ञवल्क्य ऋषि ने कहा कि यह कार ही उस संन्यासी का यज्ञोपवीत है, यही आत्मा है। जो पूर्वोक्त प्रकार से हवन करके उसका प्राशन कर आचमन कर लेता है। उस के लिए मात्र यही विधि है। इस प्रकार गेरुवे वस्त्र धारण करने वाला संन्यासी मुण्डनयुक्त, अपरिग्रही, पवित्रतायुक्त, किसी से द्रोह (ईर्ष्या-द्वेष) न करने वाला, भिक्षाचरण करता हुआ ब्रह्मपद को प्राप्त होता है, वह ब्रह्मस्वरूप है की प्राप्ति के लिए समर्थ है। संन्यासियों के लिए यही मार्ग है-यही विधि है। जल प्रवेश, अग्नि प्रवेश. 246 महाप्रस्थान (मृत्युमोक्ष) आदि में परिव्राजकों (संन्यासियों) के लिए यह रास्ता निर्दिष्ट किया है। संन्यासी ब्रह्म का ज्ञाता (जानकार) होता है। यह विधि ऐसी ही है महाराज; ऐसा याज्ञवल्क्य जी ने कहा। यहाँ इन संन्यासियों में श्रेष्ठ परमहंस नाम वाले, अव्यक्त चिह्न को धारण करने वाले, अव्यक्त स्वभाव वाले, अनुन्मत्त होते हुए भी उन्मत्त (पागलों की भाँति) आचरण करने वाले हैं। (इनके नाम इस प्रकार हैं-) संवर्तक, आरुणि, श्वेतकेतु, दुर्वासा ऋभु निदाघ, दत्तात्रेय, शुक, वामदेव, हारीतक आदि-आदि।

क्रमशः ...

विश्व क्षयरोग दिवस

हर साल 24 मार्च को क्षयरोग (टीबी) की वैश्विक महामारी और बीमारी को खत्म करने के प्रयासों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है।

टीबी (क्षयरोग) एक घातक संक्रामक रोग है, जो कि माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु की वजह से होती है। टीबी (क्षयरोग) आमतौर पर ज्यादातर फेफड़ों पर हमला करता है, लेकिन यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता है। यह रोग हवा के माध्यम से फैलता है। जब क्षयरोग से ग्रसित व्यक्ति खांसता, छींकता या बोलता है तो उसके साथ संक्रामक ड्रॉपलेट न्यूक्लीआई उत्पन्न होता है, जो कि हवा के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। ये ड्रॉपलेट न्यूक्लीआई कई घंटों तक वातावरण में सक्रिय रहते हैं। जब एक स्वस्थ व्यक्ति हवा में घुले हुए इन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस ड्रॉपलेट न्यूक्लीआई के संपर्क में आता है तो वह इससे संक्रमित हो सकता है। क्षयरोग सुप्त और सक्रिय अवस्था में होता है। सुप्त अवस्था में संक्रमण तो होता है लेकिन टीबी का जीवाणु निष्क्रिय अवस्था में रहता है और कोई लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। अगर सुप्त टीबी का मरीज अपना इलाज नहीं कराता है तो सुप्त टीबी सक्रिय टीबी में बदल सकती है। लेकिन सुप्त टीबी ज्यादा संक्रामक और घातक नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व में 2 अरब से ज्यादा लोगों को लेटेंट (सुप्त) टीबी संक्रमण है। सक्रिय टीबी की बात की जाए तो

इस अवस्था में टीबी का जीवाणु शरीर में सक्रिय अवस्था में रहता है तथा यह स्थिति व्यक्ति को बीमार बनाती है। सक्रिय टीबी का मरीज दूसरे स्वस्थ व्यक्तियों को भी संक्रमित कर सकता है इसलिए सक्रिय टीबी के मरीज को अपने मुंह पर मास्क या कपड़ा लगाकर बात करनी चाहिए और मुंह पर हाथ रखकर खांसना और छींकना चाहिए।

टीबी (क्षयरोग) के लक्षण

1. लगातार 3 हफ्तों से खांसी का आना और आगे भी जारी रहना। 2. खांसी के साथ खून का आना। 3. छाती में दर्द और सांस का फूलना। 4. वजन का कम होना और ज्यादा थकान महसूस होना। 5. शाम को बुखार का आना और ठंड लगना। 6. रात में पसीना आना।

टीबी का उपचार: टीबी के जीवाणुओं को मारने के लिए इसका उपचार करने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग किया जाता है। टीबी के उपचार में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली 2 एंटीबायोटिक्स आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन हैं और उपचार कई महीनों तक चल सकता है। सामान्य टीबी का उपचार 6-9 महीने में किया जाता है। इन 6 महीनों में पहले 2 महीने आइसोनियाजिड, रिफाम्पिसिन, इथाम्बुटोल और पायराजीनामाइड का उपयोग किया जाता है। इसके बाद इथाम्बुटोल और पैराजिनामाइड ड्रग्स को बंद कर दिया जाता है बाकी के 4-7 महीने आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही टीबी के इलाज के लिए स्ट्रेप्टोमाइसिन इंजेक्शन का भी उपयोग किया जाता है।

चीन की शांति योजना का सच

रंजीत कुमार

यूक्रेन पर रूसी सैन्य हमला 13 महीने से जारी है। दुनिया इस भीषण मानवीय त्रासदी का गवाह बन रही है। ताकतवर देश भी कुछ नहीं कर पा रहे, सिवाय युद्ध से बने हालात पर आंसू बहाने के। इसकी बड़ी वजह रूस की परमाणु ब्लैकमेलिंग है, जिसकी आड़ में शक्तिशाली रूस कमजोर यूक्रेन को मटियामेट करने पर तुला है। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालत (ढ्ढष्टष्ट) से गिरफ्तारी वॉरंट जारी होने के बाद राष्ट्रपति पूतिन ने और कड़े रुख का इजहार करते हुए यूक्रेन में अपने कब्जे वाले मरियापोल शहर का दौरा किया। इसके एक दिन पहले पूतिन ने 2014 में कब्जा किए गए क्राइमिया का दौरा कर यूरोपीय देशों को चिढ़ाया था। जाहिर है, ढ्ढष्टष्ट के वॉरंट के बाद पूतिन के लिए अस्तित्व का सवाल पैदा हो गया है। इसलिए वह किसी भी कीमत पर यूक्रेन से कदम पीछे नहीं खींच सकते।

यूक्रेन पर रूस का हमला रोकने के लिए बीच-बचाव की कोशिशें कई पक्षों से होती रही हैं। लेकिन दुनिया की नजरें चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के 20-21 मार्च के मॉस्को दौरे पर इसलिए लगी रहीं कि यूक्रेन और रूस दोनों के साथ चीन के अच्छे संबंध रहे हैं। फिर भी चीन दोनों देशों को वार्ता की टेबल पर नहीं ला सका। सच पूछिए तो शी चिनफिंग रूस और यूक्रेन के बीच खुद को तटस्थ और ईमानदार मध्यस्थ के तौर पर नहीं पेश कर सके।

इस पहल के एक सप्ताह पहले ही चीन के सिर पर ईरान-सऊदी अरब के बीच मेलमिलाप करवाने

की राजनयिक कामयाबी का सेहरा बंधा। इस समझौते से ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक रिश्ते फिर बहाल हो जाएंगे। इसलिए चीन ने शांति करवाने वाले देश के तौर पर अपनी छवि बनाते हुए रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई रुकवाने के लिए पहल की, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय देश इसे गंभीरता से नहीं ले रहे। शी चिनफिंग ने व्लादिमीर पूतिन के सामने जो 12 सूत्री शांति योजना पेश की, उसमें यूक्रेन की शंकाओं को दूर करने के लिए कोई संशोधन नहीं किया गया। इस शांति योजना पर रूसी राष्ट्रपति पूतिन ने विचार करने का भरोसा दिया है। चीनी राष्ट्रपति यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी ऑनलाइन बात करने वाले हैं, लेकिन राष्ट्रपति जेलेंस्की शी चिनफिंग की बात मान लेंगे, यह मुमकिन नहीं लगता। वह अपने देश की संप्रभुता से कोई समझौता नहीं कर सकते। इसलिए चीन की इस पहल का कोई नतीजा शायद ही निकले।

चीन के इस कथित शांति प्रस्ताव के नाटक का मकसद यह संदेश देना है कि चीन ने तो रूस को शांति वार्ता के लिए मना लिया लेकिन अमेरिकी दबाव में यूक्रेन ने इसे ठुकरा दिया। ईरान-सऊदी समझौता करवाने का श्रेय चीन इसलिए ले सका क्योंकि संधि का मसौदा पेइचिंग में नहीं बल्कि बगदाद में तैयार हुआ था, जिसे लागू करवाने का गारंटर बनने का आग्रह दोनों मुस्लिम देशों ने किया था। लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच किसी समझौते का संयुक्त मसौदा चीन, मॉस्को वार्ता के बाद पेश नहीं कर सका। इसकी भी कई वजहें हैं। चीन ने जो 12 सूत्री प्रस्ताव पेश किया था, वह रूस के पक्ष में काफी झुका हुआ है। इस प्रस्ताव के बारे में कहा जाता है कि चीन ने इसे ताइवान संकट में लाभ उठाने के मकसद से तैयार किया था। वास्तव में चीन भी नहीं चाहेगा कि रूस पर दबाव डाल कर उसे अपने सैनिक वापस बुलाने को मना ले।

यूक्रेन चीन के शांति प्रस्ताव को इसलिए नहीं मान सकता क्योंकि युद्धविराम लागू होने पर रूस की सेना जहां तक आगे बढ़ चुकी है, वह रूस-यूक्रेन की सीमा में तब्दील हो जाएगी। फिलहाल यूक्रेन के विशाल दोनबास इलाके पर रूस का कब्जा है। चीनी राष्ट्रपति के मॉस्को पहुंचने के पहले जिस तरह रूसी राष्ट्रपति ने अपने कब्जे वाले मरियोपोल शहर का दौरा किया, वह दुनिया को आगाह करने के लिए था कि रूस अपने कब्जे वाले इलाकों को कतई नहीं छोड़ेगा। यूक्रेन भी यह स्वीकार नहीं कर सकता कि अपने बड़े इलाके पर दावा छोड़ दे। यह तो रूस के सामने आत्मसमर्पण माना जाएगा। अमेरिका और यूरोपीय देश भी यूक्रेन को अपना इलाका रूस को सौंपने नहीं देंगे। इसलिए कि रूस का मनोबल इससे काफी बढ़ जाएगा और वह भविष्य में सोवियत संघ के पूर्व बाल्टिक गणराज्यों लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया पर भी पुराना शासन बहाल करने को ललचाएगा।

दबदबा बढ़ाने की चाहत

चीन शांति वार्ता के बहाने यूरोप पर अपना दबदबा बढ़ाने की रणनीति पर चल रहा है। उसे यह भी लगता है कि रूसी सेना को यूक्रेन की अंतरराष्ट्रीय सीमा से पीछे लौटने को मजबूर किया गया तो रूस का सिर हमेशा के लिए झुक जाएगा। इससे चीन की ताइवान रणनीति प्रभावित होगी। इससे कमजोर रूस चीन की गोद में बैठने को मजबूर होगा, लेकिन इससे विश्व स्तर पर अपनी नेतागीरी बढ़ाने की चीनी कोशिशें असरदार नहीं होंगी। असल में, रूस और यूक्रेन की लड़ाई अब केवल दो देशों के बीच सीमित नहीं रह गई है। इस लड़ाई में दोनों पक्षों के समर्थक देशों की प्रतिष्ठा और उनके राष्ट्रीय हित भी जुड़ गए हैं। इस वजह से वार्ता टेबल पर कोई भी पक्ष झुक नहीं सकता। साफ है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस द्वारा छेड़ा गया एकतरफा युद्ध अब कई गुत्थियों में उलझ चुका है, जिसकी गांठें तभी खुल सकेंगी, जब खोलने के लिए इसे जोर से झटका दिया जाए।

गांधी आज

खादी उत्पादन की क्रियाएं (भाग-1)

कोश किया गृह प्रयोग द्वारा ही होनी चाहिए। यदि इनमें से किसी भी किया में कारखाने का सहारा लेना पड़े तो यह किसी दिन खादी के उद्देश को खतरे में डाल सकता है। 3. अंत औटाई और चुनाई चरखे की आनुषंगिक अंग समझी जानी चाहिए। दिखाई नहीं देता। अधिक विस्तृत चर्चा के लिए पाठकों को श्री रोग की पुस्तक पढ़नी चाहिए। -कि.म इसका हिन्दी अनुवाद सदर का संपत्ति शास्त्र के नाम से सस्ता साहिला मंडल प्रकाशित हुआ है। अनुवादक ज़ पिछली गणना के अनुसार भारत को रोज दो करोड़ गज कपड़े की आवश्यकता होती है। (यह गुल कपड़ा हाथ करने पर बुनाया जाए तो भी) इसमें अधिक से अधिक रोज दो घंटा काम करनेवाले एकाध करोड़ बुनकरों को हम काम में लगा सकते हैं। यदि यह कहा जाए कि इतने बुनकर नहीं बल्कि इसने कुटुंबों को काम मिलेगा तो रोज के दो आने भी उतने लोगों में बँट जाएँगे। फलत:फी आदमी आमदनी और भी कम हो जाएगी। कि.म ओटनी, धनुष, चरखे तथा करपे में जो कुछ सुधार किए जायें वे इस बात का ध्यान रखकर किए जाने चाहिए कि गृह उद्योग के रूप में इनका नाश न हो। खादी सुधार के लिए कपास इकट्ठा करने से लेकर बुनाई तक की सब क्रियाओं और साथ ही यंत्र का भी सूक्ष्मता से अध्ययन करके सबमें सुधार करना जरूरी है। इसके लिए पहली सीढ़ी यह है कि जिसके यहाँ कपास की खेती होती है वह अपने इस्तेमाल के लिए अपनी ही कपास इकट्ठी कर रखे। ऐसा करनेवाला किसान अच्छा बीज प्राप्त करने की चिन्ता रखेगा और कपास को पौधों पर से इस तरह चुन लेगा कि उसमें कचरा न आने पाए। किसान यह खुद ही करने लग जाएगा पर इसका महत्त्व समझने तथा उसे राह दिखाने और सुझाव देने की जरूरत है।

क्रमशः...

मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक से गांव में ही मिल रही जांच और दवा की आसान स्वास्थ्य सुविधा

हाट बाजार क्लीनिक रूटीन जांच के लिए सोनहत के राकेश की प्राथमिकता

कोरिया। जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना से ग्रामीणों को गांव के पास हाट - बाजार में ही जांच और दवाइयों को उपलब्धता सरल और सहज रूप से मिल रही है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है।जिले के ग्रामीण अंचलों में साप्ताहिक हाट बाज़ारों के दिन मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा लोगों को नि:शुल्क जांच तथा दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार अप्रैल 2022 से अब तक लगभग 70 हजार मरीजों ने नि:शुल्क दवाइयों एवं टेस्ट का लाभ उठाया है और ग्रामीण रूटीन जांच जैसी सुविधा के लिए भी हाट बाजार क्लीनिक में आने को ही प्राथमिकता दे रहे हैं।

इसके साथ ही मरीजों को इलाज की आवश्यकता अनुरूप जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में रेफर किया जा रहा है। हाट बाजार क्लिनिक में हिमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, उच्च रक्तचाप, डेंगु एवं डायरिया, मलेरिया, आरडी टेस्ट, एचआईव्ही, व्हीडीआरएल सॉल्युबिलिटी, और कोविड-19 की जांच एवं 64 प्रकार की दवाइयां भी वितरित की जा रही

हाट बाजार क्लिनिक योजना से जिले के पहुंचविहीन दुर्गम क्षेत्रों तक लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रहीं हैं। इस जनहितकारी योजना की सराहना निरंतर ग्रामीणों द्वारा की जा रही है। इन्ही में से जिले के विकासखण्ड सोनहत के रजौली ग्राम के 70 वर्षीय सत्यनारायण लंबे समय से जोड़ों में दर्द की समस्या थी। वे बताते हैं कि इस उम्र में इलाज के लिए दूर जाना कठिन लगता था लेकिन जब से मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा यह योजना शुरू हुई है, अस्पताल वाली गाड़ी नियमित रूप से हाट बाजार में पहुंच रही है और मैं यहां आकर नि:शुल्क इलाज करा रहा हूं। उन्होंने बताया कि यहां उन्हें जांच के साथ-साथ दवाइयां भी नि:शुल्क दी जा रही है, जिससे उनके स्वास्थ्य में अच्छा सुधार हुआ है। इसी तरह उच्च रक्तचाप से पीड़ित ग्राम के ही राकेश सोनी ने भी बताया कि वे पहले निजी अस्पताल में इलाज करवाते थे लेकिन अब साप्ताहिक हाट बाजार क्लिनिक में नि:शुल्क जांच के साथ दवाईयां भी मिल रही है। अब वह हर सप्ताह हाट बाजार क्लिनिक आकर जांच कराते हैं।

हाट बाज़ारों हेतु एमएमयू के निर्धारित साप्ताहिक दिवस

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में जिले के कुल 17 साप्ताहिक हाट बाज़ारों में लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने हेतु एमएमयू वाहन उपलब्ध है। विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम कुडेली में सोमवार, ग्राम छिन्दडांड़ में मंगलवार, ग्राम कसरा में बुधवार, ग्राम सोरगा में गुरूवार, ग्राम जमगहना में शुक्रवार, ग्राम गदबदी में शनिवार, ग्राम कटकोना में रविवार, ग्राम चरचा में रविवार एवं ग्राम सलका में मंगलवार और विकासखण्ड सोनहत के ग्राम लटमा में सोमवार, ग्राम रजौली में मंगलवार, ग्राम सोनहत में बुधवार, ग्राम रावतसराई में गुरूवार, ग्राम रामगढ़ में शुक्रवार, ग्राम कुशहा में शनिवार, ग्राम उज्ञांव में रविवार और ग्राम कटगोडी में गुरूवार को हाट बाजार में मोबाइल मेडिकल यूनिट उपलब्ध ।

राज्यों के विकास एवं नीति निर्माण के लिए पर्यावरणीय लेखांकन महत्वपूर्ण

- पर्यावरण की मूर्त और अमूर्त उत्पादन को मापने के लिए सिस्टम के निर्माण पर देश भर के विशेषज्ञों ने किया विचार-विमर्श

रायपुर। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ में पर्यावरण एवं आर्थिक लेखांकन मूर्त एवं अमूर्त उत्पादन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश, हरियाणा, मिज़ोरम, जम्मू कश्मीर तथा अन्य राज्यों के पर्यावरणविद् और सांख्यिकी के विशेषज्ञ शामिल हुए।

कार्यशाला में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय भारत सरकार की निदेशक डॉ. सुदीप्ता घोष ने ओवरव्यू ऑफ द एनवायरनमेंट अकाउंट एंड इट्स लिंकेज विथ एसडीजी पर व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने पर्यावरण आर्थिक लेखांकन की प्रणाली तैयार किये जाने की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। जिसके अनुसार देश के सभी राज्यों में भी पर्यावरणीय लेखांकन तैयार किया जायेगा। उनके द्वारा बताया गया कि राज्य के विकास एवं नीति निर्माण के लिए पर्यावरणीय लेखांकन महत्वपूर्ण होगा साथ ही जिसका प्रयोग नीति निर्माण में किया जायेगा। वर्तमान समय में पर्यावरण को अर्थव्यवस्था से जोडना अति आवश्यक है क्योंकि बिना पर्यावरण संरक्षण के अर्थव्यवस्था का विकास की परिकल्पना करना असम्भव है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय भारत सरकार के उप महानिदेशक श्री राकेश कुमार मौर्य ने थ्योरी एंड हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन लैंड कवर्स पर व्याख्यान दिया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 44 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रफल वनों से आच्छादित है। तीन नदी प्रणाली छत्तीसगढ़ की धरती को सींच रही हैं। राज्य में पर्यावरण आर्थिक एकाउण्ट में प्राकृतिक संसाधन, स्टॉक लेवल, समय विशेष पर स्टॉक में होने वाले परिवर्तन तथा आर्थिक गतिविधियां जो पर्यावरण के मूर्त रूप और अमूर्त उत्पादों का ब्यौरा रखना आवश्यक है। यह ब्यौरा निर्णय, निर्माण और भविष्य की नीति बनाने, संसाधनों के संरक्षण तथा सतत् विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा। इससे राज्य के रिसर्च की सही मैपिंग करने और उसे सटीक रूप से मापने में भी मदद मिलेगी। कार्यशाला में सांख्यिकी एवं योजना विभाग छत्तीसगढ़ के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, सांख्यिकी एवं योजना विभाग छत्तीसगढ़ के संचालक श्री अमृत विकास तोपनो, उप महानिदेशक श्री रोशन लाल साहू, संयुक्त संचालक श्री एन. बुलीवाल तथा अन्य विशेषज्ञ उपस्थित थे। कार्यशाला के दूसरे दिन आईआईएफएम भोपाल द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी और सॉलिड वेस्ट अकाउंट, वॉटर इक्वेलिटी, फिश प्रोविजिनिंग सर्विसेस, एनएसओ के नए पहल के बारे में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

अग्रवाल महिला मंडल का गणगौर महोत्सव आज

रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल का गणगौर महोत्सव 24 मार्च को भीमसेन भवन में दोपहर 3.30 बजे से आयोजित किया गया है। इस दौरान महिलाएं सोलह सिंगार करके गणगौर को अपने साथ लाएंगे और इसका स्वागत ढोल नगाड़े के साथ किया जाएगा। इस दौरान रैंप वॉक का आयोजन किया गया है जिसमें महिलाएं राजस्थानी गेट अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। सेल्फी कॉर्नर भी बनाया गया है जहां पर महिलाएं फोटो खिंच सकती है। इसके बाद महिलाएं गणगौर पर डांस करेंगी और मनोरंजक गेम में होंगे। उक्त जानकारी अग्रवाल महिला मंडल की ओर से किरण अग्रवाल व ज्योति अग्रवाल ने विज्ञप्ति में दी। ज्योति अग्रवाल ने बताया कि गणगौर महोत्सव की तैयारी में महिलाएं जुट गई है और 24 मार्च को धूमधाम से गणगौर महोत्सव मनाया जाएगा।

खेलो इंडिया महिला तीरंदाजी स्पर्धा 26 को

रायपुर। राज्य स्तरीय खेलो इंडिया 10 का दम महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर में 26 मार्च को किया जा रहा है, यह स्पर्धा बूढ़ातालाब के पास स्थित आउटडोर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी जिसमें प्रदेशभर की 100 से ज्यादा महिला खिलाड़ी व कोच हिस्सा के लेने की संभावना है। प्रतियोगिता का उद्घाटन सांसद सुनील सोनी व खेल संचालक श्वेता सिन्हा सुबह 11 बजे करेंगी। वहीं विधायक बृजमोहन अग्रवाल व खेलो इंडिया भारत सरकार के डीओ रुपेश जीके विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। उक्त जानकारी तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका ने दी। मुरारका ने बताया कि त्तीसगढ़ के 8 बालक तीरंदाजों ने इसी साल गोवा में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल के लिए क्वालीफाई किया है, जिसमें रिकर्व इवेंट में चार खिलाड़ी अभिलाष, यसपाल, भागवत, चूम के नाम शामिल हैं। वहीं, इंडियन राउंड में गितेश, कुबेर, नकुल और विकास ने क्वालीफाई किया।

पहली बार श्रीराम दरबार की स्थापना से माहौल हुआ भक्तिमय

जगदलपुर। चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन भी बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में भक्तो का तांता लगा रहा दूर दराज से मां दंतेश्वरी के दर्शन करने पहुंचे भक्त हाथो में फूल, नारियल और चुनरी लेकर माता के दर्शन कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना कर रहे हैं। वहीं सनातन धर्म सभा के द्वारा दंतेश्वरी मन्दिर के सामने निर्मित राम दरबार में प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं श्रीहनुमान जी की मूर्तियों की स्थापना किया गया है, जहां प्रति दिन नवमी तिथि तक सुबह 11 बजे व संध्या 7 बजे श्रीराम दरबार में पूजा के बाद आरती की जाएगी, इसके अलावा प्रति दिन रामायण व कथा वाचन किया जाएगा। नवमी के दिन महिलाओ द्वारा विशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं युवा वर्ग के द्वारा सिरहासार चौक में भी एक श्रीराम दरबार की स्थापना की गई है, जिसमें प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं श्रीहनुमान जी के साथ शंकर-पार्वती की मूर्तियां स्थापित की गई है। शहर में पहली बार दो श्रीराम दरबार की स्थापना से माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखण्ड ब्राह्मण समाज ने मनाया हिन्दू नववर्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखण्ड ब्राह्मण समाज ने हिन्दू नववर्ष मनाया। श्रीमती भारती किरण शर्मा प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन व श्रीमती निशा तिवारी प्रदेशाध्यक्ष नारी प्रकोष्ठ ने नेतृत्व में श्री सत्यप्रकाश दास जिलाध्यक्ष, श्रीमती हेमलता शुक्ला जिलाध्यक्ष नारी प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रथम सत्र में भगवान परशुराम व मां भगवती के पूजा-अर्चना पश्चात करीब 151 कन्याओं के पद प्रक्षालन, भोजन व श्रंगार सामग्री भेट किया गया। साथ ही नवरात्रि पर्व में मां दुर्गा स्थापना पर समाज के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सभी समाज प्रमुखों ने नववर्ष पर अपनी बात रखी। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि ज्ञानेश शर्मा योग आयोग अध्यक्ष, अध्यक्षता श्रीमती दिप्ती प्रमोद दुबे, विशिष्ट अतिथि श्रीमती आभा शर्मा, विनय तिवारी अध्यक्ष केन्द्रीय समिति, श्रीमती भारती किरण शर्मा प्रदेशाध्यक्ष की उपस्थिति में शिक्षा उद्यमी समाज के छह लोगों को शॉल, श्रीफल, मोमेंटो व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सामाजिक समरसता और एकीकरण की बात पर समाज के लोगों को प्रेरित करने विचार रखे गए। कार्यक्रम में प्रदेश संरक्षक श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा, संयोजक डा. सरिता दुबे, कोषाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, महासचिव सुनिता मिश्रा बीनू, प्रदेश पदाधिकारी ईश्वर शर्मा आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे ऑटो एक्सपो का शुभारंभ

- साइंस कालेज मैदान में 24 से 27 मार्च तक राडा का आयोजन
- व्हीकल्स व स्पेयर पार्ट्स के 200 स्टाल में मिलेगा खरीदी का अवसर
- बालीवुड अदाकारा शाजान पदमसी होंगी सेलीब्रिटी गेस्ट

रायपुर। रायपुर ऑटो मोबाइल्स डीलर्स एसोसिएशन (राडा) की ओर से साइंस कॉलेज मैदान में शुक्रवार 24 मार्च से आयोजित चार दिवसीय ऑटो एक्सपो 2023 शुरू हो रहा है जिसका शुभारंभ शाम 6 बजे मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल करेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता वन, आवास व पर्यावरण एंव परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर करेंगे, बॉलीवुड अदाकारा शाजान पदमसी सेलीब्रिटी गेस्ट के रुप में उपस्थित रहेंगी। 100 ऑटो मोबाइल्स ब्रांड्स के साथ कंपनियों के डीलर्स हिस्सा ले रहे हैं जिसमें व्हीकल्स व स्पेयर पार्ट्स के 200 स्टॉल हैं। हर दिन नए मॉडल की लांचिंग भी होगी। इससे पहले एक्सपो के आयोजन की तैयारियों को राडा मेंबर्स ने अंतिम रूप दिया।

रायपुर ऑटो मोबाइल्स डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के अध्यक्ष विवेक गर्ग, उपाध्यक्ष रविन्द्र भसीन, सचिव कैलाश खेमानी, कोषाध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने बताया कि पिछले छह आयोजनों की शानदार सफलता के बाद यह सातवां ऑटो एक्सपो हैं जिसमें पार्टिसिपेट की संख्या और बढ़ी है। ऑटोमोबाइल्स सेक्टर में दिल्ली के ऑटो एक्सपो के बाद पहला एक्सपो हैं रायपुर का जहां इतने बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाता है। छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि समीपवर्ती राज्य के लोग भी यहां पहुंचते हैं। ऑटो एक्सपो की भव्यता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि सभी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भी विशेष तौर पर अपने डीलर्स व कंपनी को लीड करने के लिए पूरे समय उपस्थित रहते हैं। पिछले सालों में कोरोनाकाल के चलते कई व्यवसायिक सेक्टर प्रभावित रहे पर छत्तीसगढ़ की ऑटोमोबाइल्स इंडस्ट्रीज इससे अप्रभावित रही इसलिए कि छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों के साथ हमने भी बराबर कदमताल किया। ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस बार के एक्सपो में और ज्यादा उत्साह के साथ सभी शामिल हो रहे हैं। एक्सपो में एक ही जगह पर टू व्हीलर, कार, कमर्शियल व्हीकल, ट्रैक्टर्स, ऑटो मोबाइल्स इक्विपमेंट्स के अलावा यूज्ड कारों के प्रदर्शन व बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। हर दिन नए वाहनों की लांचिंग होगी, वहीं रोजाना शाम प्रसिद्ध बैंड व डांस ग्रुप और सेलिब्रिटी कलाकार शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। एक्सपो में स्पॉट बुकिंग पर कंपनियां व डीलर्स छूट व ऑफर भी देंगे। वहीं स्पाट फाइनेंस की सुविधा भी एक्सपो में मिलेगी। पहले दिन लांचिंग का विशेष आकर्षण द न्यू ई-सी 3 आल इलेक्ट्रिक की रहेगी। एक्सपो में पहुंचने वालों को आरटीओ की ओर से लाइंसेस बनाने की सुविधा भी अलग स्टॉल के माध्यम से प्रदान की जायेगी। शनिवार-रविवार अवकाश दिवस पर एक्सपो का समय रहेगा दोपहर 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक।

खालिस्तान समर्थक का राजधानी में प्रदर्शन

रायपुर। राजधानी रायपुर में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल के समर्थन बुधवार को रैली और प्रदर्शन किया गया था। इस मामले में तेलीबांधा गुरुद्वारा साहेब ने पल्ला झाड़ते हुए इस घटना की कड़ी निंदा की है। गौरतलब हैं कि गुरुद्वारा के पास से ही कई लोगों ने अमृतपाल के समर्थन में रैली निकाली थी। बाद में आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन भी किया था। तेलीबांधा गुरुद्वारा साहेब के प्रेसिडेंट हरकिशन सिंह ने एक बयान जारी कर कहा है कि सिक्ख समाज सेवा, और पराक्रम में विश्वास करने वाला समाज है। छत्तीसगढ़ का सिक्ख समाज भी भारत के संविधान में पूरी आस्था रखता है। छत्तीसगढ़ के विकास और निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देता रहा है। उन्होंने आगे कहा कि खालिस्तान की मांग करने वाले किसी भी संगठन या व्यक्ति विशेष का समर्थन नहीं करता है। इस तरह के मांग की समाज कड़ी निंदा करता है। प्रदेश में भाईचारा, और सांप्रदायिक एकता में पूरी आस्था है।

शहीद दिवस पर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया किसान सभा और भू विस्थापितों के संघ ने

- 5 अप्रैल को दिल्ली में मजदूर-किसान संघर्ष रैली को सफल बनाने का आह्वान भी

कोरबा। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ ने आज 23 मार्च को भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव की 92वीं शहादत दिवस को मनाया तथा उनके शोषण विहीन, वर्ग विहीन समाज के निर्माण के संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया। कुसमुंडा में 507 दिनों से चल रहे धरना स्थल में तीनों शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई तथा उनकी तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस वर्ष यह दिन किसान आंदोलन, विस्थापन और रोजगार से जुड़ी मांगो को केंद्र में रखकर मनाया गया। सभा में इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ मोदी सरकार की किसान-मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 5 अप्रैल को दिल्ली में आयोजित मजदूर-किसान संघर्ष रैली को भी सफल बनाने की अपील की गई।शहादत दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को किसान सभा के जवाहर सिंह कंवर, प्रशांत झा, जय कौशिक, सुमेंद्र सिंह कंवर तथा भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ के दामोदर श्याम, रेशम यादव, रघु, हरिहर आदि ने संबोधित किया। किसान सभा के अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर और जय कौशिक ने कहा कि भगत सिंह का जन्म 27 सितम्बर 1907 को हुआ था और देश की आजादी के लिए 23वर्ष की उम्र में हंसते हंसते फांसी पर चढ गए। उनका सपना था कि भारत आजाद होगा, तो सबको एक समान शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की गारंटी मिलेगी, हर खेत में पानी पंहुचेगा और खुशहाली आएगी। शोषण, अन्याय मुक्त व बराबरी पर आधारित जिस आजाद भारत का सपना उन्होंने देखा था, वह उनकी शहादत के इतने साल बाद भी अधूरा है। शहीद भगत सिंह के विचारों को जन-जन तक ले जाकर जन आंदोलन के लिए प्रेरित करना होगा, क्योंकि भगत सिंह का सपना जन आंदोलन से ही पूरा हो सकता है सभा को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला सचिव प्रशांत झा ने कहा कि भगतसिंह हमारी आजादी के आंदोलन के एक प्रखर साम्राज्यवाद विरोधी प्रतीक है, जिन्होंने समानता पर आधारित एक शोषणमुक्त, समाजवादी समाज का सपना देखा था। इसके लिए उन्होंने देश की मेहनती जनता की एकता पर बल दिया था।

विश्व जल दिवस पर स्कूली बच्चों ने निकाली जन जागरूकता रैली

बिलासपुर। विकासखंड तखतपुर के ग्राम?? पंचायत बोड़सरा में विश्व जल दिवस के अवसर पर प्यूपल डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वाधान में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जल संरक्षण एवं जल के बचाव के तरीके बताए गए। साथ में ग्राम की जल बहनी लोगों को जल की गुणवत्ता जांच करने का पुन: प्रशिक्षण दिया गया। जल की उपयोगिता और उसके महत्व को समझाते हुए सभी ग्रामवासी को शपथ दिलाई गई । स्कूली छात्र छात्राओं को शिक्षाप्रद गतिविधि के अंतर्गत गांव में स्वच्छता बनाए रखने एवं पानी का समुचित उपयोग करने एवं उसके संरक्षण के उपाय बताए गए। इन उपायों को गांव के जन-जन तक पहुंचाने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया।गांव में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जिसमें जल से सुरक्षा एवं विश्व जल दिवस का नारा लगाते हुए जल संरक्षण एवं जल के संवर्धन के उपाय से लोगों को अवगत करवाया गया ।

भारत की वीरांगनाओं का दुनिया ने माना लोहा - बृजमोहन

दिल्ली से आई सीआरपीएफ महिला बल की 19 सौ किलोमीटर बाइक रैली का किया अभिनंदन, झंडा दिखाकर किया जगदलपुर रवाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने सीआरपीएफ की महिला बल को संबोधित करते हुए कहा कि भारत वीरांगनाओं का देश है। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई,अहिल्या बाई, अवंती बाई जैसी हजारों वीरांगनाओं ने मुगलों-अंग्रेजों से लोहा लिया और भारत की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी भारत की आंतरिक हो या बाहरी सुरक्षा हर मोर्चे पर तैनात मातृशक्तियां देश की रक्षा के लिए समर्पण भाव के साथ खड़ी हुई है। भारत की इन वीरांगनाओं का लोहा आज दुनिया मान रहा है।

बृजमोहन अग्रवाल ने यह बात सीआरपीएफ कैंप ग्राम भिलाई, आरंग में महिला सशक्तिकरण और समग्रता का संदेश फैलाने के लिए आयोजित 19 सौ किलोमीटर की महिला बाइक रैली के फ्लैग ऑफ सेरिमनी के दौरान मुख्य अतिथि की आसंदी से कहीं। उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की महिला बाइक टीम का अभिनंदन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ वासियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उनकी बाइक रैली यहां से होकर गुजर रही है और जगदलपुर में केंद्रीय गृह मंत्री जी अमित शाह उनका स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि महिला शक्तियों की यह बाइक रैली राष्ट्रीयता की भावना को जागृत करेगी और महिलाओं को निडर होकर आगे बढने् के लिए प्रेरणा देगी।

श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत के विकास रथ को रोकने के लिए दुनिया भर की ताकत है लगी हुई है। इसके साथ नक्सलवाद भी देश समाज के लिए एक बड़ा खतरा बनकर हमारे सामने खड़ा है। ऐसे में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में इंटरनल टेररिज्म के केंद्र कहलाने वाले बस्तर के जगदलपुर में सीआरपीएफ का स्थापना दिवस मनाना अपने आप में बड़ी बात है। यह देश के लिए यह महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि आज हम आजादी का 75 वा अमृत महोत्सव मना रहे हैं। और यह अवसर हमे आप सब सैनिकों के कारण मिल रहा है। क्योंकि देश की सीमा और देश के भीतर सुरक्षित रखने के लिए आप मजबूती के साथ खड़े हुए हो।

सीआरपीएफ की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सेना के बाद 3 लाख योद्धाओं के साथ सीआरपीएफ भारत की बड़ी ताकत है। यह पूरी शिद्दत के साथ देश की रक्षा करने के लिए देश के कोने कोने में मौजूद हैं। हर भारतीयों को सीआरपीएफ पर गर्व की अनुभूति होती है। इस कार्यक्रम में धमतरी की विधायक रंजना साहू, सीआरपीएफ के अधिकारी बलराम बेहरा, राजकुमार सहित गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गृहमंत्री अमित शाह कल आएंगे बस्तर

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को छत्तीसगढ़ आ रहे है। श्री शाह बस्तर में आयोजित सीआरपीएफ के 84 वें रेजिंड डे कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा शाह प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। गृहमंत्री अमित शाह के तय कार्यक्रम के मुताबिक शुक्रवार की शाम जगदलपुर एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री बीएसएफ के विशेष विमान से सीधे जगदलपुर ही पहुंचेंगे। इसके बाद करणपुर में सीआरपीएफ 201 कोबरा बटालियन कैंप जाएंगे। सीआरपीएफ जवानों और अफसरों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद अगली सुबह 25 मार्च शनिवार को सीआरपीएफ के 84 वें रेजिंड डे कार्यक्रम में शामिल होंगे। कोबरा बटालियन के करनपुर कैंप में यह कार्यक्रम होगा। इस दौरान अमित शाह सीआरपीएफ जवानों को संबोधित करेंगे इसके बाद शाह जगदलपुर एयरपोर्ट से नागपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

14 विदूषियों सहित रंगकर्मी विजय सम्मानित

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में जेके एवं वैदेही फिल्मस की ओर से वैदेही शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन वृंदावन हॉल में गत दिनों किया गया। समारोह में प्रदेश भर की 14 विभूतियों के साथ ही लोक- हिंदी रंगमंच में महत्वपूर्ण योगदान के लिए रंगकर्मी विजय मिश्रा को वैदेही सम्मान, स्मृति चिन्ह से विभूषित किया गया। इस अवसर पर मुंबई से आई सुप्रसिद्ध कवियत्री अभिनेत्री सायरा जीनत एहसान कुरेशी, मीनाक्षी टुटेजा, जय बाला तिवारी, नीतू अमित सिंह, शिल्पा नाहर, रुना शर्मा एवं समाजसेवी डॉ. अजय सहाय उपस्थित थे। वैदही सम्मान समारोह के संयोजक श्री दिलीप नामपल्लीवार, सुभाषिनी जार्ज, अलक राय, सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रज्ञा श्रीवास्तव ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। मौसमी विश्वास ने कैंसर को पराजित करने की ब्यथा कथा को बताया। ये सम्मानित मधुबाला देवांगन, पुष्पलता कौशिक, पिंकी जोशी, रंभा वस्त्रकार, कविता वासनिक, रश्मि पांडे, संगीता निषाद, सीमा सिंह, स्वालीहा अली, शोभा बावनकर, कुमकुम झा, कुंती सिंह, भावना पांडे, सीमा सिंह।

प्रदेश में जमीन, कोयला और पानी की लूट हो रही- चंदेल

विधानसभा में उठा सीएसआर का मुद्दा, भाजपा ने किया बहिर्गमन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में आज प्रश्नकाल में प्रतिपक्ष ने सीएसआर मद के दुरुपयोग का मुद्दा उठाकर सत्ता पक्ष को जमकर घेरा। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि यहां की जमीन कोयला और पानी सब कुछ लूटा जाता है। उन्होंने सीएसआर का राजनीतिकरण करने का आरोप भी लगाया। इस मुद्दे पर तीखी बहस के बाद सत्ता पक्ष के जवाब से असंतुष्ट भाजपा सदस्यों ने बहिर्गमन कर दिया।

आज सत्र की शुरुआत में दिवंगत विधायक नीलिमा सिंह टेकाम को श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्रवाई 10 मिनट के लिए स्थगित हुई। कार्यवाही पुनः आरंभ होने पर नेता प्रतिपक्ष चंदेल ने पूछा कि कोरबा, बिलासपुर और जांजगीर-चांपा में वर्ष 2021- 22 वर्ष 2022- 23 से लेकर 15 फरवरी 2023 तक किन-किन औद्योगिक संस्थानों से कितनी राशि सीएसआर से प्राप्त हुई? राज्य की जमीन पर उद्योग लगते हैं, राज्य के संसाधनों का उपयोग होता है लेकिन सीएसआर के फंड के उपयोग के लिए कोई नीति नहीं है। मापदंड के अनुरूप कितनी राशि प्राप्त होनी थी और कितनी राशि प्राप्त हुई?

नेता प्रतिपक्ष के सवाल के जवाब में मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि जिन कंपनियों ने सीएसआर के तहत राशि नहीं दी है, उन्हें राशि देनी है। जो कंपनियां

देरी करती हैं, उन पर कार्यवाही करने का भी नियम है। इस पर नारायण चंदेल ने कहा कि ओडिशा राज्य ने सीएसआर फंड के उपयोग के लिए स्पष्ट नीति बनाई है लेकिन छत्तीसगढ़ में ऐसी कोई नीति नहीं है। तब मोहम्मद अकबर ने कहा कि ओडिशा की नीति मंगा कर अध्ययन कर लिया जाएगा। इस दौरान भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने कहा कि पैसा देने के लिए जब कंपनियां बाध्य हैं, ऐसी स्थिति में जो कंपनियां सीएसआर फंड जमा नहीं करती हैं उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी किसकी है? इस पर मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि कंपनी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाती है। कंपनी के खिलाफ केंद्र के एक्ट के तहत ही कार्रवाई हो सकती है।

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने सीएसआर मद के खर्चों की मॉनिटरिंग और कार्रवाई को लेकर जानकारी चाही। इस पर अकबर ने कहा कि यह केन्द्र सरकार का विषय है, और राज्य सरकार उद्योगों से अनुरोध कर सकती है। राज्य सरकार को कार्रवाई का अधिकार नहीं है। भाजपा सदस्य शिवरतन शर्मा ने कहा कि बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के उद्योगों से सर्वाधिक सीएसआर की राशि आती है, लेकिन यह राज्य सरकार वृक्षारोपण व अन्य कार्यों के लिए ले लेती है। प्रभावित गांवों को लाभ नहीं मिल पाता। कांग्रेस सदस्य शैलेष पाण्डेय ने कहा कि सीएसआर मद के खर्च उस क्षेत्र के विधायक की अनुशंसा से होनी चाहिए।

विपक्षी सदस्य धर्मजीत सिंह ने कहा उद्योगों के सीएसआर मद का ब्यौरा सदस्यों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि खर्च न करने पर जन प्रतिनिधि धरना-प्रदर्शन कर सके। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कलेक्टरों के मार्फत राशि सरकार को चली जाती है। उन्होंने कलेक्टरों की भूमिका पर सवाल खड़े किए। इस पूरे मामले में पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर वाद और विवाद हुआ और इस बीच विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकऑउट कर दिया।

कौशिक ने उठाया एमओयू निवेश और रोजगार का मामला

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने जनवरी 2020 से जनवरी 23 तक हुए एमओयू निवेश और रोजगार का मामला प्रश्नकाल में उठाया। इस पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा की ओर से लिखित उत्तर में जानकारी दी गई कि जनवरी 2020 से जनवरी 23 तक कुल 192 एमओयू हुए। 96442.47 करोड़ का निवेश होना था। 1,24,336 लोगों को रोजगार मिलना था इस अवधि के दौरान 9 एमओयू निरस्त हुए। शेष 183 एमओयू में से 137 निवेशकों द्वारा क्रियान्वयन शुरू किया गया। इसमें से 92 एमओयू इकाइयों ने कुल 5422. 91 करोड़ का निवेश किया। 92 इकाइयों में से 19 इकाइयों ने उद्योग स्थापित किया है। जिसमें प्रदेश के 4586 लोगों को रोजगार मिला। इस पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि लक्ष्य का 3 प्रतिशत निवेश हुआ और 6 फीसदी रोजगार मिला। उद्योग मंत्री कवासी लखमा की अनुपस्थिति में वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि निवेश के लिए 5 साल का समय रहता है। निवेश और रोजगार का प्रतिशत निकालकर तुलना नहीं हो सकती। इस पर धरमलाल कौशिक ने कहा कि खोदा पहाड़ और निकली चुहिया वाली स्थिति है। मोहम्मद अकबर ने इस पर कहा कि आप के समय ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट हुआ था। उसका क्या हुआ? 5000 करोड़ का निवेश एक अमेरिकी कंपनी करने वाली थी, उसका क्या? 5000 करोड़ का बताकर कोई कंपनी ने 5 रुपये का उद्योग भी नहीं लगाया तो उसका कुछ नहीं कर सकते।

कोरोना में भ्रष्टाचार के मामले में चार डॉक्टर सस्पेंड

रायपुर. विधानसभा में गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने बताया कि कोरोना के दौरान भ्रष्टाचार की शिकायतों पर चार डॉक्टरों को सस्पेंड कर विभागीय जांच की जा रही है. इसी तरह कई कंपनियों से अनुबंध समाप्त कर लिया गया है. कुछ की अमानत राशि राजसात कर ली गई है।

भाठापारा विधायक शिवरतन शर्मा ने प्रश्नकाल के दौरान स्वास्थ्य मंत्री से पूछा कि कोविड- 19 संक्रमण काल के दौरान तीन साल में दवा उपकरण खरीदी में अनियमितता, भ्रष्टाचार की शिकायतों पर क्या कार्रवाई की गई है. स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि ऐसी 23 शिकायतें प्राप्त हुई हैं. इनमें छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन रायपुर, संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जांच की गई है। जांच के बाद डॉ. एफ. खाखा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय जशपुर, डॉ. अनुरंजन टोप्पो अस्थि रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय जशपुर, डॉ. उषा प्रेमा लकड़ा सर्जरी विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय जशपुर और डॉ. तुकाराम कंवर तत्कालीन प्रभारी सीएमएचओ कोंडागांव को निलंबित किया गया है। साथ ही, विभागीय जांच चल रही है।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के पेंशन मे भेदभाव

छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने बताया कि एक जनवरी 2016 के बाद राज्य के विश्वविद्यालयों से रिटायर अधिकारी-कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि में नियोक्ता अंशदान फंड से सातवें वेतनमान के अनुसार पेंशन एवं ग्रेच्युटी भुगतान के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध नहीं होने के कारण सातवें वेतनमान के आधार पर पेंशन व ग्रेच्युटी की पात्रता नहीं रखते हैं।

प्रश्नकाल के दौरान विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने यह मुद्दा उठाया. उन्होंने उच्च शिक्षा मंत्री से पूछा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों / सहायक प्राध्यापकों, शिक्षकों, अधिकारी-कर्मचारियों को पेंशन देने के क्या प्रावधान हैं? मंत्री ने बताया कि अधिकारी- कर्मचारियों को अंशदान भविष्य निधि में नियोक्ता अंशदान फंड की राशि से शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देश के अनुरूप पेंशन दिए जाने का प्रावधान है. बृजमोहन ने पूछा कि पेंशनधारियों को कौन से वेतनमान के आधार पर पेंशन व ग्रेच्युटी दी जा रही है। क्या ये पेंशनधारी सातवें वेतनमान के आधार पर पेंशन व ग्रेच्युटी की पात्रता रखते हैं। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि दिनांक एक जनवरी 2016 के पूर्व सेवानिवृत्त पेंशनधारियों को सातवें वेतनमान के अनुसार पुनरीक्षित और दिनांक एक जनवरी 2016 के पश्चात सेवानिवृत्त विश्वविद्यालयीन अधिकारी- कर्मचारियों को छठवें वेतनमान के आधार पर पेंशन ग्रेच्युटी भुगतान की जा रही है। अंशदायी भविष्य निधि में नियोक्ता अंशदान फंड से सातवें वेतनमान के अनुसार पेंशन एवं ग्रेच्युटी भुगतान के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध नहीं होने के कारण सातवें वेतनमान के आधार पर पेंशन व ग्रेच्युटी की पात्रता नहीं रखते हैं. बृजमोहन ने पूछा कि विश्वविद्यालय अधिनियम के परिनियम 32 का पालन किया जा रहा है। या नहीं। मंत्री ने बताया कि विश्वविद्यालय अधिनियम के परिनियम 32 का पालन करना विश्वविद्यालय का उत्तरदायित्व है.

पानी मिलाकर शराब बेचने की शिकायत पर प्लेसमेंट एजेंसी को हटाया

छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने बताया कि ज्यादा कीमत और पानी मिलाकर शराब बेचने की शिकायत के आधार पर प्लेसमेंट एजेंसी प्राइम वन वर्कफोर्स को हटा दिया गया है. इस प्लेसमेंट एजेंसी के पास सूरजपुर, रायगढ़, जशपुर, सरगुजा, कोरिया और बलरामपुर जिले का काम था। बलौदाबाजार के विधायक प्रमोद शर्मा ने प्रश्नकाल के दौरान राज्य में अधिक दर पर शराब बेचने, पानी मिलाकर बेचने और अन्य प्रदेशें की अवैध शराब बिक्री का मुद्दा उठाया था। आबकारी मंत्री ने बताया कि 2021-22 में ज्यादा कीमत पर शराब बेचने की 1985 शिकायतें मिली थीं. इसके आधार पर 89 प्रकरण दर्ज किए गए. 99 कर्मचारियों को निकाला गया। 87 आपराधिक प्रकरण दर्ज कराए गए. साथ ही, 10.68 लाख का जुर्माना किया गया।

इसी तरह 2022-23 में (15 फरवरी तक) 1749 शिकायतें मिली हैं। इस पर 122 प्रकरण दर्ज किए गए. 131 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया. 117 अपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए। 8. 18 लाख जुर्माना वसूल किया गया है. पानी मिलाकर शराब बेचने की 2021-22 में 336 शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों के आधार पर 53 प्रकरण दर्ज किए गए. 168 कर्मचारियों को निकाला गया। 53 अपराधिक प्रकरण दर्ज कराए गए. 7.88 लाख जुर्माना वसूल किया गया. 2022-23 में 462 शिकायतें मिलीं. इनमें से 59 में प्रकरण दर्ज किए गए. 196 कर्मचारियों को निकाला गया. 59 पर अपराधिक प्रकरण दर्ज कराए गए और तीन लाख का जुर्माना वसूल किया गया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

अमित शाह जवाब दें 15 सालों तक बस्तर को उपेक्षित क्यों रखा? - कांग्रेस

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर प्रवास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अमित शाह के दौरा से छत्तीसगढ़ को कुछ लाभ नहीं होने वाला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दौरा के पहले मोदी सरकार के दर्जनों मंत्री छत्तीसगढ़ के दौरा पर आये थे लेकिन उनके दौरा से छत्तीसगढ़ को कुछ लाभ नहीं हुआ है। बस्तर दौरा के पहले अमित शाह कोरबा भी आये थे उस दौरान भी कोई केंद्रीय पैकेज, सुविधा या स्वयं के विभाग से संबंधित कोई सौगात नहीं दिये थे। अब बस्तर दौरा भी उनका खाली ही रहेगा। अमित शाह और भाजपा कितनी भी कवायद कर ले बस्तर का भरोसा नहीं जीत पायेंगे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अमित शाह जवाब दें कोण्डागांव जिले को नक्सल प्रभावित जिले की सूची से बाहर कर दिया गया ताकि लाभ न मिले। आखिर भाजपा छत्तीसगढ़िया और बस्तर के लोगों से किस बात का बदला लेना चाहती है? बस्तर में केंद्रीय बलों की तैनाती का लगभग 12000 करोड़ छत्तीसगढ़ से वसूल लिये।

देश विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्यवाही का स्वागत

रायपुर। देश विरोधी प्रदर्शन करने वालों पर की गयी कानूनी कार्यवाही का कांग्रेस ने स्वागत किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ शांत प्रदेश है, यहां कानून का राज है। छत्तीसगढ़ के शांत धरा को कोई भी दल संगठन या व्यक्ति अशांत करने का षड्यंत्र करेगा, कानून उस पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करेगी, राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को माफ नहीं किए जाएंगे उन्हें सजा मिलेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्र विरोधियों को हमेशा मुंहतोड़ जवाब दिया है। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल कोई भी व्यक्ति हो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिये। कांग्रेस के नेताओं ने इस देश की माटी के लिए एकता, अखंडता के लिये मजबूत राष्ट्र के लिये अपने प्राणों की आहुति दी है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, प्रधानमंत्री राजीव गांधी का बलिदान देश की जनता भूली नहीं है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय खुफिया विभाग आईबी और अन्य संस्थाएं जिनका काम देश विरोधी कृत्य पर नजर रखना है वह असफल साबित हुई है। राष्ट्र विरोधी अमृतपाल 6 महीना पहले दुबई से भारत आता है और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को संचालित करता है और केंद्रीय गृह मंत्रालय और पंजाब सरकार को पता नहीं चलना यह दुर्भाग्य की बात है?

शाह से मिले साव : केंद्रीय गृहमंत्री के बस्तर दौरे से पहले अरुण साव पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली/रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरुण साव दिल्ली पहुंचे. साव ने दिल्ली में शाह से मुलाकात की. भाजपा ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर लिखा है कि शाह से साव ने दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की और प्रदेश की विभिन्न राजनीतिक गतिविधियों व अन्य विषयों पर चर्चा की। एक और अहम बात यह है कि इससे पहले शाह ये कह चुके हैं कि 2024 तक नक्सलवाद खत्म कर देंगे. कुछ दिनों पहले आईबी चीफ बस्तर दौरा कर लौटे हैं तो नक्सल मुद्दे पर भी वे कोई बड़ा स्टेप ले सकते हैं. दोनों नेताओं के बीच संभवतः इन्हीं मुद्दों पर बात हुई होगी. हाल ही में भाजपा ने पीएम आवास के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन किया था. विधानसभा में भी भाजपा लगातार राज्य सरकार पर हमलावर है. कहा जा रहा है कि शाह ने राज्य के अलग अलग मुद्दों पर जानकारी ली होगी। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने भाजपा स्थापना दिवस 6 अप्रैल और डॉ. अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल 2023 व 04 अप्रैल से 14 अप्रैल 2023 सामाजिक न्याय पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश स्तर पर समिति का गठन किया है।

प्रश्नकाल में भड़की बसपा की इंदु बंजारे,विपक्ष पर साधा निशाना

रायपुर। प्रश्नकाल में सिर्फ दो प्रश्नों में ही 57 मिनट ले लिए अजय चंद्राकर ,शिवरतन शर्मा के हमलों का अपने अंदाज में मो.अकबर ने लंबा जवाब देना शुरू किया तो बाद में आ रहे प्रश्नकर्ता बीएसपी की सदस्य इंदु बंजारे तेज आवाज में कहने लगी कि ये लोग हमारे प्रश्न को आने ही नहीं देते,अपनी राजनिति के कारण हम पीछे राह जाते। हम भी अंदरूनी क्षेत्र से आते हैं। अपने क्षेत्र की बात उठा नहीं पाते। ये लोग ही बात करते रहते हैं। हुआ यह कि शिवरतन ने एक प्रश्न में अकबर से पूरक प्रश्न पूछ लिया कि आप बता दें कि कितने एमओयू हुए और उनमें से कितने किस लिए निरस्त किये उसकी सूची बात दें ? इस पर मो.अकबर ने लंबी सूची पढ़ना शुरू कर दिया। विपक्षी नेता असहज हो गए कहने लगे पूरी सूची पढ़ने की जरूरत नहीं है सिर्फ कितने निरस्त किये बता दीजिए। लेकिन अकबर ने कहा कि आपने पूछा है तो सुनिए ना। अभी तो एक ही पढ़ हुन अभी तो 9 हैं। विपक्ष के मन करने पर अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा नहीं आप तो उनकी बात का पूरा जवाब दीजिए अकबर ने पूरी सूची पढ़ी। लंबा समय गुजर गया प्रश्नकाल समाप्त होने की स्थिति में इंदु बंजारे ने अपने प्रश्न को ना आने की स्थिति में अपना गुस्सा विपक्ष के दो सदस्यों पर उतार दिया। अंततः उन्हें अपनी बात अर्थाने का अंतिम समय में सिर्फ 1 मिनट ही मिल पाया।

बिलासपुर में पाँच संक्रमित मिलने से मचा हड़कंप, हाई अलर्ट जारी

बिलासपुर। जिले में कोरोना से 42 वर्षीय महिला की मौत के बाद ट्रेसिंग कर रही स्वास्थ्य विभाग की टीम को एक के बाद एक 5 कोरोना पॉजिटिव मरीजों के मिलने से विभाग में हड़कंप मच गया है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग ने हाई अलर्ट जारी किया है. इसके साथ ही टेस्टिंग और ट्रीटमेंट के लिए टीम गठित कर जांच करने के निर्देश सभी बीएमओ को दिया गया है. वहीं मरीजों के इलाज के लिए सभी शासकीय और निजी अस्पतालों को तत्काल आइसोलेट वार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि गंभीर मरीजों का उपचार किया जा सके. दरअसल, देश में कोरोना वायरस (कोरोना वाइरस) का नया वेरिएंट एच3एन1 वन एक्टिव हो गया है. लिहाजा कोरोना (कोरोना) के खतरे को देखते हुए सभी को अलर्ट किया जा रहा है. इधर बिलासपुर में कोरोना से ग्रसित 42 वर्षीय महिला की मौत ने सभी को चिंता में डाल दिया है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बिलासपुर में 3 कोटा और बिल्हा ब्लॉक में एक-एक एक्टिव मरीज की पहचान हुई है. जिनका होम आइसोलेट कर उपचार किया जा रहा है. बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कोविड-19 का पालन करने सभी से अपील की है।

नक्सलियों द्वारा जेसीबी व ट्रक में आगजनी की कोशिश

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाके में 22-23 मार्च की दरम्यानी रात करीब 1 बजे सीपीआई माओवादी संगठन के कुछ अज्ञात माओवादी कैडर द्वारा जिला दन्तेवाड़ा के थाना बचेली के समीप पढ़ापुर के पास रेलवे ट्रेक दोहरीकरण कार्य में उपयोग किये जा रहे 1 जेसीबी मशीन तथा लौह अयस्क परिवहन में उपयोग किये जा रहे 1 ट्रक में आगजनी करने की कोशिश की खबर है। इस दौरान थाना बचेली के सुरक्षा बल जो आसपास जंगलों में एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही कर रहे थे, उसे आते देख आगजनी घटना कर रहे माओवादियों द्वारा फायरिंग की गई। माओवादियों की फायरिंग पर जवाबी कार्यवाही में पुलिस पार्टी द्वारा भी फायरिंग की गई इसके बाद माओवादी जंगल की आड़ लेकर भाग गये। आसपास के इलाके में सर्चिंग जारी है। माओवादियों के इस आगजनी की घटना में रेलवे ट्रेक दोहरीकरण कार्य में उपयोग किये जा रहे जेसीबी मशीन तथा लौह अयस्क परिवहन में उपयोग किये जा रहे ट्रक में आगजनी करने से आंशिक रूप से क्षति हुई। सुकमा जिले में भी पुलिस - नक्सली मुठभेड़ की खबर है। मिली जानकारी के अनुसार सुकमा जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र के कोत्तालेंडरा जंगल में मुठभेड़ हुई। सुबह 11. 30 बजे डीआरजी जवानों के साथ मुठभेड़ होने की खबर है। बताया गया है कि 4 नक्सलियों को पकड़ने में कामयाबी मिली। पुलिस ने 4 से 5 नक्सलियों के घायल होने का दावा किया है।सुकमा एसपी सुनील शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि घटनास्थल पर सर्चिंग जारी है।

राहुल गांधी सच के साथ सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं-मोहन मरकाम

कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ है

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ अदालत का फैसला दुर्भाग्यजनक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि ऊंची अदालत में इस फैसले के खिलाफ जायेंगे। हमें पूरा भरोसा है न्याय मिलेगा। सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी और उनकी आक्रामकता से घबराई हुई है। राहुल गांधी के भाषणों उनके द्वारा उठाये गये मुद्दो के आधार पर उनको घेरने का षड़यंत्र रचा जा रहा है। भाजपा विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। राहुल गांधी लगातार जनता की आवाज उठा रहे महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी के खिलाफ वे मुखर है। संसद में अडानी के भ्रष्टाचार के खिलाफ राहुल गांधी बोल रहे उनके नेतृत्व में विपक्षी दल अडानी के घोटाले की जांच के लिये संयुक्त संसदीय समिति बनाने की मांग कर रहे है। भाजपा संसद नहीं चलने दे रही है। राहुल गांधी ने अपने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 140 दिनों में आम आदमी की समस्याओं को उठाया था। मोदी सरकार को वह भी बर्दाश्त नहीं। राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस के द्वारा नोटिस भेजवाया गया। मोदी और उनके सहयोगी सोचते है इस प्रकार का

हथकंडा अपना कर वे विपक्ष को दबा देंगे तो मुगालते है। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता मोदी सरकार के इस तानाशाही रवैये के खिलाफ संघर्ष करेगा। न हम डरे है और न डरेंगे, न झुके है और झुकेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि राहुल गांधी, मोदी सरकार से सवाल पूछते है जो जनता से जुड़े एवं देश के भविष्य से संबंधित होता है। राहुल गांधी के सवाल का जवाब देने से बचने मोदी सरकार ईडी का नोटिस भेजती है। राहुल गांधी मजदूरों की, गरीबों की, किसानों की, युवाओं की आवाज को दबने नहीं दिया। मोदी भाजपा सरकार, ईडी और पुलिस के माध्यम से ये दबाव इनकी आवाज उठाने से रोकती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये राहुल गांधी यदि विदेश में सत्तारूढ़ दल के अतिवादी चरित्र के बारे में कुछ कहते है तो भाजपा को आपत्ति है लेकिन जब प्रधानमंत्री विदेश की धरती पर आधा दर्जन बार देश की आलोचना करते है तो इसमें भाजपा को देशद्रोह नजर नहीं आता है, चीन, रूस, अमेरिका हर जगह मोदी जी ने भारत के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां किया है। चीन में जाकर प्रधानमंत्री मोदी बोल चुके है कि हमने ऐसा कौन सा पाप किया था जो हम हिन्दुस्तान में पैदा हो गये। प्रधानमंत्री मोदी के इस वक्तव्य से देश का सिर नीचा नहीं हुआ था तब भाजपाईयों की बोलती क्यों बंद हो गयी थी?

राहुल गांधी को समर्थन देने कांग्रेस ने अंबेडकर चौक में किया सत्याग्रह

राहुल गांधी के खिलाफ आये अदालत के फैसले पर राहुल गांधी के साथ एकजुटता दिखाने कांग्रेस ने पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम के नेतृत्व में अंबेडकर चौक में सत्याग्रह किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा सच परेशान हो सकता है पराजित नहीं। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ एकजुटता के खड़ा है। सत्याग्रह के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.